सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 294 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 6 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

तेंदुए का शिकार बना तीन साल का मासूम! तीन दिन से है लापता, घर पर मिला तेंदुए का पद्चिन्ह

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से बड़ी खबर आ रही है। यहां तीन साल का बच्चा तीन दिन से लापता है। आशंका जताई जा रही है कि बच्चे को तेंदुआ उठा ले गया और अपना शिकार बना दिया। परिजनों को इसकी आशंका इसलिए है क्योंकि घर की बाड़ी में तेंदुए के पद्चिन्ह मिले हैं। घटना की सूचना पुलिस व वन विभाग को दे दी गई है। वन विभाग की टीम को घर से कुछ दूरी पर शरीर के टुकड़े मिले हैं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पूरा मामला जिले के सिहावा थाना क्षेत्र के गांव कोरमूड का है। मिली जानकारी के अनुसार योगेश्वर मरकाम कोरमूड गांव में रहता है। रविवार को घर में हरेली का पर्व मनाया जा रहा था और सभी काफी खुश थे। दिनभर भर घर पर उत्सव का माहौल रहा। बच्चों ने गेड़ी खेली और छत्तीसगढ़ी पकवानों का आनंद भी लिया। देर शाम को योगेश्वर का बेटा हाथ धोने गया और उसके बाद से लापता हो गया। योगेश्वर ने आसपास काफी तलाश की लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई है। बच्चे को लापता हुए मंगलवार को तीसरा दिन है और उसका कुछ पता नहीं चला है।

इस बीच परिवार ने घर की बाड़ी में तेंदुए के पद्चिन्ह देखे हैं। जब से तेंदुए का पद्चिन्ह बाड़ी में मिला है परिवार के साथ ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। परिवार के लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी है। परिजनों के साथ गांव वालों को भी शक है कि तेंदुए ने बच्चे का शिकार कर लिया है। वन विभाग की टीम ने भी घर से कुछ दूरी पर शरीर के कुछ टुकड़े बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस व वन विभाग की टीम बारीकी से जांच कर रही है।

बढ़ने वाला है 4 फीसद महंगाई भत्ता

स्वतंत्रता दिवस पर हो सकता है बढ़ोत्तरी का ऐलान

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। रक्षाबंधन से पहले महंगाई भत्ते में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। कयास लगाया जा रहा है कि प्रदेश सरकार 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर डीए में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकती है। हालांकि इसको लेकर अभी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि रक्षाबंधन से पहले सरकारी कर्मचारियों को खुशियों को सौगात मिल सकती है।

गौरतलब है कि कि छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता फिलहाल 42 प्रतिशत हैं। वहीं केंद्र के कर्मचारियों और पेंशनरों का डीए 50 प्रतिशत है। जिसके चलते प्रदेश के सरकारी कर्मचारी लंबे समय से डीए में बढ़ोतरी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में अब संभावना जताई जा रही है कि 15 अगस्त के मौके पर राज्य सरकार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 42 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत कर सकते हैं।

कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने वित्तमंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात की थी। प्रतिनिधि मंडल ने भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय को बताया कि चुनाव के समय किए वायदे पूरे नहीं किए जाने से कर्मचारियों में निराशा का माहौल है। संगठन महामंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुनने के बाद हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया और वित्त मंत्री ओपी चौधरी तक कर्मचारियों की मांग को पहुंचाया।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री को पूर्ववर्ती सरकार के दौरान बकाया डीए के एरियर्स, एलबी संवर्ग सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के संदर्भ में भाजपा के घोषणा-पत्र में किए गए वायदे को पूरा करने की मांग करते हुए राज्य के कर्मचारियों की सरकार से की जा रही अपेक्षाओं से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि चुनाव के दौरान दी गई मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए सरकार को कुछ समय दीजिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो भी वायदा किया है, उसे पूरा करेंगे। मंत्री चौधरी ने कहा कि चुनावी घोषणापत्र में दिए गए मोदी की गारंटी के संदर्भ में चर्चा हुई। इस दौरान मंत्री ओपी चौधरी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि, जल्द ही देय तिथि से लंबित 4 फीसद महंगाई भत्ता देने का आदेश जारी किया जाएगा।

अतिशेष शिक्षकों का ट्रांसफर कर सकेंगे कलेक्टर

छत्तीसगढ़ में फिलहाल तबादलों पर बैन है, लेकिन राज्य में शिक्षकों की कमी को देखते हुए सरकार महत्वपूर्ण फैसला लेने जा रही है। इसके तहत अतिशेष शिक्षकों के ट्रांसफर का अधिकार कलेक्टरों को दिया जा सकता है। दरअसल, प्रदेश सरकार राज्य में शिक्षकों की कमी को देखते हुए स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने जा रही हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तरण कैसे किया जाएगा, इसका खाका तैयार कर लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी एक्शन मोड में है और युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। सरकार पहले स्कूलों का युक्तियुक्तकरण करेगी। इसके लिए सभी विभागीय तैयारियां कर ली गई हैं। हफ्ते भर के भीतर आदेश जारी हो जाएगा कि किन जिलों के कितने स्कूल इसके जद में आएंगे। करीब 4 हजार स्कूल ऐसे हैं जो एक ही कैंपस में स्कूलों के साथ चल रहे हैं और डेढ़ हजार स्कूल ऐसे हैं। जिनमें राष्ट्रीय मानक के हिसाब से बच्चे 10 से कम हैं। इनमें 100 से अधिक ऐसे स्कूल हैं, जहां 10 से कम बच्चे हैं। जो कि, राष्ट्रीय शिक्षक मानक से कहीं अधिक हैं। ऐसे में इन स्कूलों को आसपास के स्कूलों में मर्ज कर लिया जाएगा। जबकि, 7300 शिक्षक अतिशेष हैं और स्कूलों के युक्तियुक्तकरण के बाद करीब छह हजार शिक्षक और अतिशेष हो जाएंगे। इस तरह करीब 13 हजार शिक्षक मिल जाएंगे। अफसरों का कहना है कि, इतने शिक्षकों के बाद शिक्षक विहीन और सिंगल टीचर वाले स्कूलों में शिक्षकों की कमी की समस्या दूर हो जाएंगी और ऐसे में शिक्षकों की भर्ती करने की जरूरत फिलहाल नहीं पड़ेंगी।

अभी बंद ही रहेंगे स्टील प्लांट

छत्तीसगढ़ के 150 मिनी स्टील प्लांट आगे भी बंद ही रहेंगे। इसकी वजह, सरकार और कारोबारियों के बीच अब तक कोई सुलह नहीं हो पाना है। इसी के चलते कारोबारियों ने आगे भी प्लांट बंद रखने का फैसला किया है। कारोबारियों की डिप्टी सीएम सीएम विजय शर्मा के साथ हुई चर्चा भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। इसलिए हड़ताल के कारण सात दिनों से बंद प्लांट अब कब खुलेंगे यह तय नहीं है। यानी फैक्ट्री मालिकों की हड़ताल जारी रहेगी।फैक्ट्री मालिकों ने सोमवार को रायपुर के एक होटल में आयोजित बैठक के बाद आंदोलन आगे जारी रखने का फैसला किया है। हालांकि छत्तीसगढ़ स्पंज आयरन मेन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल नचरानी ने बताया कि सरकार से बात सकारात्मक हुई है। गौरतलब है कि कारोबारियों की एक मीटिंग सीएम विष्णुदेव साय के साथ भी हो चुकी है। हालांकि, ये मीटिंग भी बेनतीजा रही थी। इसके बाद 3 अगस्त को डिप्टी सीएम शर्मा से कारोबारी मिले। कारोबारियों को आश्वासन मिला है कि तकनीकी बिंदुओं पर संबंधित उच्चाधिकारियों के साथ जल्द ही बैठक की जाएगी। अब कारोबारी ऊर्जा विभाग के अफसरों के साथ जल्द से जल्द मीटिंग करने की योजना बना रहे हैं। इधर, छत्तीसगढ़ स्टील री-रोलर्स एसोसिएशन ने इस आंदोलन समर्थन देने की बात कही। संगठन की ओर से कहा गया है कि आवश्यकता पड़ने पर छत्तीसगढ़ स्टील री-रोलर्स एसोसिएशन के सदस्य भी अपना प्लांट बंद कर आंदोलन में पूरा साथ देंगे।

चलो हो गया कालेजों में भी दीक्षारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राज्य के सभी महाविद्यालयों में सोमवार को नए सत्र के लिए दीक्षारंभ संस्कार संपन्न हो गया। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को शामिल करने का निर्देश था। छोटे-मोटे जनप्रतिनिधियों से लोगों का काम नहीं चलता। अधिकांश कालेज सांसद और विधायक को ही बुलाने पर अड़े रहे। विशेषकर जहां-जहां निर्वाचित जनप्रतिनिधि विपक्षी दल का है, वहां-वहां असमंजस की स्थिति बनी रही। पसंदीदा जनप्रतिनिधि के इंतजार में दीक्षारंभ का यह कार्यक्रम न केवल लंबा खिंच गया बल्कि कालेज लाइफका पहला दिन 卐महा-बोर卐 साबित हुआ। आदेश यह भी था कि बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के बारे में भी जानकारी दी जाए। उन्हें अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स के बारे में भी बताया जाए। उन्हें बताया जाए कि अब अगर आप अपनी डिग्री की पढ़ाई पूरी नहीं भी कर पाए तो कोई बात नहीं, जितने साल की पढ़ाई कर लोगे, उसके हिसाब से प्रमाणपत्र मिल जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को एनईपी-20 के नाम से बेहतर जाना जाता है। घोषणा के चार साल बाद अब लोगों को केवल एनईपी ही याद रहा है। लिहाजा कई जगहों पर जनप्रतिनिधियों ने इसे नई शिक्षा नीति के रूप में भी परिभाषित किया। विद्यार्थियों को बताया गया कि अब उन्हें ऑनर्स के साथ डिग्री लेने के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब राज्य के महाविद्यालयों में भी उनके पास यह विकल्प होगा। इसके बाद वे रिसर्च स्कॉलर कहलाएंगे। वैसे बता दें कि पिछले कई महीनों से राशिनी अर्थात राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर महाविद्यालयों में शिक्षण प्रशिक्षण का महादौर चल रहा है। मास्टर ट्रेनर, ट्रेनर और प्रभारी बनाए गए। सेमेस्टर पद्धति में विषयों का बंटवारा, मार्किंग और प्रमोशन स्कीम जैसी बारीकियों पर काफी सिरधुनाई की जा चुकी है। इस कवायद की अच्छी बात यह रही कि अब विद्यार्थियों को कोर सब्जेक्ट और इलेक्टिव का अंतर स्पष्ट हो गया। पहले कुछ विषयों को वे हाशिए पर डाल देते थे। अब ये विषय नहीं रहेंगे। अंग्रेजी, हिन्दी और पर्यावरण शिक्षा एक-एक बार ही पढ़ना होगा। पर इस पूरी रस्म-अदायगी के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य ही हाशिए पर रह गया। नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना करना है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को एक समतापूर्ण और जीवंत ज्ञान समाज में बदलने में सीधे योगदान दे और इस तरह भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बना दे। पर इस लक्ष्य की प्राप्ति कैसे होगी, इसपर बहुत ज्यादा बातें नहीं हो पाईं। इसकी वजह भी साफ थी। इस पर अभी किसी भी स्तर पर ज्यादा बातें नहीं हुई हैं। उच्च शिक्षा की पहली शर्त उसे रोजगार परक बनाने की है। रोजगार के परिदृश्य को समझे बिना, लक्ष्य की पहचान किये बिना, लक्ष्य की प्राप्ति का कोई रोडमैप नहीं बन सकता। राशिनी में कौशल विकास को महत्व दिया गया है पर इस लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जा सकेगा, इसपर ज्यादा चर्चा नहीं की गई है।

पिता को बचाने आठ बंदूकधारियों से भिड़ी बेटी, ऐसे बचाई जान

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले में स्थित झारा गांव में बीती रात एक 17 वर्षीय बेटी अपने पिता को आठ बंदूकधारियों से घिरा देखने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी। पिता को कुल्हाड़ी मारने के बाद भी दूसरा वार करने से पहले ही उनके सामने अड़ गई। कुल्हाड़ी को छीनकर फेंकने के साथ ही शोर मचा दिया। जिसके बाद आसपास के लोग घर आ पहुंचे, जहां आठ बंदूकधारी मौके से फरार हो गए। घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया।

बहादुर बेटी सुशीला कोर्राम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर जिले के झारागांव में बीती रात घर में मौजूद ग्रामीण को अज्ञात बंदूकधारियों के द्वारा हाथ में रखे कुल्हाड़ी से गले पर हमला कर दिया। घटना के तत्काल बाद ग्रामीण की बेटी ने अपने साहस का परिचय देते हुए पिता को बचाते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल नारायणपुर ले गई। वहां से ग्रामीण की खराब हालत को देखते हुए उसे मेकाज रेफर किया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए घायल ग्रामीण सोमधर कोर्राम 50 वर्ष की बेटी सुशीला कोर्राम ने बताया कि शाम को पिता खेत गए हुए थे। उसी समय शाम को मां सुदनी अपने घर के बगल में गई हुई थी, तभी शाम 6 बजे 8 अज्ञात बंदूकधारी आये, आने के बाद पिता के बारे में जानकारी लेने के बाद चले गए।

जैसे ही पिता घर पहुंचे तो बेटी ने इसके बाद बाजू घर चली गई। रात करीब सात बजे वापस अज्ञात लोग आए और पिता से बात करने के साथ ही हाथ में रखे कुल्हाड़ी से गले में वार कर दिया। इसी दौरान बगल घर गई बेटी भी वापस आ गई और अज्ञात लोगों के हाथ में पकड़े कुल्हाड़ी को छीनकर फेंकते हुए आवाज लगाई। जिसके बाद आसपास के लोग घर पहुंच गए। जहां से उसे जिला अस्पताल नारायणपुर फिर मेकाज लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है।

संपादकीय

मौसम से सावधान

कश्मीर से कन्याकुमारी तक मौसम की मार साफतौर पर प्रकट होने लगी है। मौसम जनित त्रासदियों का भी दुखद दौर तेज चल रहा है और देश पूरी मजबूती से प्रतिकूल स्थितियों का सामना कर रहा है। जगह-जगह जलभराव है और गंदगी का भी साम्राज्य है, तो सबसे बड़ी चिंता बढ़ती बीमारियों की है। जहां बारिश ज्यादा हुई है, वहां भी और जहां बारिश कम हुई है, वहां भी नाना प्रकार की बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। राज्य सरकारें भी चिंतित हैं और केंद्र सरकार भी। सरकार ने भी यह मान लिया है कि इस वर्ष भारत में डेंगू के मामलों में वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश भर में अब तक 32,091 डेंगू मामले सामने आए हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में बहुत अधिक हैं।

> वैसे तो डेंगू के मामले आम तौर पर अक्तूबर में चरम पर होते हैं, लेकिन इस साल के रुझान से पता चलता है कि 31 जुलाई, 2024 तक मामलों की संख्या पिछले साल के इसी समय की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। चिंता यह हो रही है कि क्या आने वाले दिनों में डेंगू के मामले बहुत बढ़ जाएंगे?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि इस साल जून में ही डेंगू का प्रकोप बढ़ गया था। डेंगू के कारण देश भर में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा 22 मौतें केरल में हुई हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी मौतें हुई हैं। देश में डेंगू के प्रकोप की स्थिति की नियमित समीक्षा और निगरानी शुरू हो गई है। यह जरूरी है कि स्थिति का आकलन, तैयारी, तकनीकी मार्गदर्शन पर ध्यान दिया जाए और राज्यों को सचेत किया जाए। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। दूसरी तरह के वायरल बुखार का भी प्रकोप बढ़ा है। अस्पतालों को अपने स्तर पर चाक-चौबंद रहने के साथ ही आम लोगों को भी सचेत रहना होगा। आसपास सफाई रखना और अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। यह बड़ा सवाल है कि बीमारियां क्यों बढ़ रही हैं? वैसे, जलवायु परिवर्तन ने भी दुनिया में बीमारियों को बढ़ावा दिया है। अगर हम केवल डेंगू की ही बात करें, तो दुनिया के अनेक देशों में यह फैल रहा है और उन देशों में कीटों-मच्छरों से लड़ाई भी तेज हो रही है। रोचक है कि एक स्पेनिश प्रयोगशाला डेंगू बुखार और अन्य बीमारियों से लड़ने के लिए हजारों टाइगर मच्छरों का प्रजनन और बंध्याकरण कर रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से कई प्रकार के आक्रामक कीटों को यूरोप में बढ़ावा मिला है। शायद भारत को भी ऐसी बीमारियों के खिलाफ बड़ी योजना बनाकर काम करना चाहिए।

बहरहाल, भारत में एक चिंता जीका वायरस को लेकर भी है। संसद में भी यह बताया गया है कि सरकार ने जीका वायरस रोग के प्रबंधन के लिए एक कार्य योजना तैयार की है और देश में 22 जुलाई तक जीका वायरस से ग्रस्त मरीजों की संख्या 537 तक पहुंच गई थी। यह वायरस क्यों बड़ी चिंता की वजह बन रहा है? क्या इसके खिलाफ लड़ाई में हम कमजोर पड़ रहे हैं? जीका वायरस का प्रकोप महाराष्ट्र में ज्यादा है और इसे बाकी राज्यों में फैलने से रोकने के प्रबंध करने चाहिए। सरकार को जो कदम उठाना है, वह जरूर उठाए और साथ ही, लोगों को भी युद्ध स्तर पर जागरूक करना होगा। ऐसे विपरीत मौसम में, खानपान में सतर्कता और स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे जरूरी है और यह पुरानी सलाह हमेशा ध्यान में रहनी चाहिए।

नजरिया

भारत को धार्मिक स्वतंत्रता का उपदेश न दे अमेरिका

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने 2023 की अपनी रिपोर्ट में धार्मिक आजादी में गिरावट के लिए एक बार फिर भारत की आलोचना की है।

फैजान मुस्तफा, कुलपति, सीएनएलयू, पटना

इस रिपोर्ट को जारी करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा, भारत में हम धर्मांतरण-विरोधी कानूनों, नफरती तकरीरों और अल्पसंख्यक समुदायों के घरों व ईबादतगाहों को तोड़ने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देख रहे हैं। इसे भारत सरकार ने पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर किस नैतिक अधिकार से अमेरिका हमें धार्मिक स्वतंत्रता पर उपदेश देता है? क्या 'धर्मनिरपेक्ष' अमेरिका की हाल-फिलहाल की घटनाएं इसकी तस्दीक नहीं करतीं कि इसे ईसाई राष्ट्र बनाने का प्रयास किया जा रहा है?

जून की 28 तारीख को ओक्लाहोमा राज्य के सुपरिटेंडेंट ryan वाल्टर्स ने बाकायदा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बाइबिल एक अपरिहार्य ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पैमाना है। उनके मुताबिक, बाइबिल की बुनियादी जानकारी के बिना ओक्लाहोमा के छात्र अपने राष्ट्र की बुनियाद को ठीक से नहीं समझ सकते। इसी कारण, पांचवीं से लेकर बारहवीं कक्षाओं तक में अनिवार्य रूप से बाइबिल की एक प्रति होनी चाहिए, जिसके आधार पर शिक्षकों को अब पढ़ाना होगा। 19 जून को लुइसियाना ने भी इसी तरह का एक कानून बनाया, जिसमें राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में बाइबिल की दस आज्ञाएं प्रदर्शित करने की अनिवार्यता की गई है। साल 1791 में हुए पहले संशोधन का एक प्रावधान कहता है कि अमेरिकी कांग्रेस किसी धर्म की स्थापना का सम्मान करने या उसके सार्वजनिक अभ्यास को प्रतिबंधित करने वाला कोई कानून नहीं बनाएगी। यह प्रावधान मूल रूप से संघीय सरकार पर ही लागू था, लेकिन 14वें संशोधन (1868) में इसे सभी राज्यों पर आयद कर दिया गया। मगर साल 1949 तक अमेरिका के 37 राज्यों में सरकारी स्कूलों में किसी न किसी तरह से बाइबिल पढ़ाई जाती थी, जबकि 12 राज्यों ने कानूनी प्रावधानों के माध्यम से इसे अनिवार्य बना रखा था। 1955 में न्यूयॉर्क ने एक प्रार्थना की सिफारिश (स्वैच्छिक) की, हे सर्वशक्तिमान ईश्वर, हम आप पर अपनी निर्भरता को स्वीकार करते हैं और हम आपसे खुद पर, अपने माता-पिता पर, शिक्षकों पर और देश पर आशीर्वाद बरसाने की याचना करते हैं। इसके उलट, साल 2015 में भारत के केंद्रीय विद्यालयों में समान प्रार्थना वाली व्यवस्था अनिवार्य की गई थी, जिसे चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

सच्ची धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों के लिए स्वतंत्रता और धर्म से भी आजादी की वकालत करती है। माना जाता है कि अमेरिका एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हमसे काफी आगे है, पर उसकी न्यायपालिका से परेशान करने वाली टिप्पणियां आती रही हैं। अमेरिकी संविधान में भले चर्च और राज्य को अलग-अलग रखा गया है, पर जोराच बनाम क्लॉसन मामले (1952) में न्यायमूर्ति विलियम ओ डगलस ने कहा, हम धार्मिक लोग हैं, जिनकी संस्थाएं सर्वोच्च सत्ता को मानती हैं। इतना ही नहीं, अमेरिकी सीनेट में एक पादरी है, और वहां की सशस्त्र सेनाओं में नाश्ते से पहले प्रार्थना अनिवार्य है। सबसे दिलचस्प तो यह है कि इस 'धर्मनिरपेक्ष' देश की शीर्ष अदालत में, पब्लिक सेशन की शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि ईश्वर इस माननीय न्यायालय की रक्षा करे। साल 1864 में इसे ईसाई राष्ट्र बनाने का एक संशोधन प्रस्ताव भी पेश किया गया था, जिसे एक दशक बाद हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी ने खारिज कर दिया। मगर आज भी चर्चों को संपत्तियों के लिए करों में छूट दी जाती है, धार्मिक स्कूलों की किताबों में भी सब्सिडी दी जाती है, पर भारत में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है और प्रस्तावना में ईश्वर का आह्वान करने का प्रस्ताव संविधान सभा ही खारिज कर चुकी है।

अमेरिका में जहां विभिन्न मौकों पर शीर्ष अदालत ही नहीं, शीर्ष नेताओं ने भी अमेरिका के ईसाई चरित्र को स्वीकार किया है, वहीं भारत में किसी भी अदालत या उच्च सांविधानिक पद पर आसीन शख्स ने देश को हिंदू राष्ट्र नहीं बताया। हमारे सुप्रीम कोर्ट ने तो यही माना कि हिंदुत्व के नाम पर अपील धर्म नहीं है और चुनाव में इसके नाम पर वोट मांगना एक भ्रष्ट आचरण है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बांग्लादेश में बजा बदलाव का बिगुल

संजय के भारद्वाज, प्रोफेसर, जेएनयू

बांग्लादेश पर फिर सबकी नजर जा टिकी है। बीते दिनों से वहां जो आंदोलन चल रहा है, उसमें सामाजिक और आर्थिक मसले शामिल हैं। आंदोलनकारियों में ज्यादातर विश्वविद्यालयों के छात्र हैं, उनकी यह मांग थी कि मुक्तियोद्धाओं को जो 30 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, उसे खत्म किया जाए, उससे बेरोजगारी बढ़ रही है, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। ध्यान रहे, साल 1972 में मुक्तियोद्धाओं को आरक्षण दिया गया था, उसके बाद मुक्तियोद्धाओं के बच्चों को आरक्षण दिया गया और अब यह व्यवस्था कर दी गई थी कि मुक्तियोद्धाओं के पोते-पोतियों को भी आरक्षण दिया जाएगा। इसका वहां खूब विरोध हो रहा था। युवा सड़कों पर उतर आए थे। वैसे इस विरोध के भड़कने की एक वजह सियासी भी थी। चूंकि मुक्तियोद्धा ज्यादातर आवामी लीग समर्थक हैं, तो राजनीतिक विरोधियों द्वारा यह बार-बार कहा जाता था कि ये आवामी लीग के वोट बैंक हैं, इसलिए अवामी लीग उनको आरक्षण दे रही है। साल 2018 में भी जब विरोध हुआ था, तब अवामी लीग ने आरक्षण खत्म कर दिया था, पर अभी जून 2024 में अदालत से एक फैसला आया और आरक्षण को फिर लागू कर दिया गया। ऐसे में, छात्र फिर से भड़क उठे।

हालांकि, अवामी लीग की सरकार ने यह कहा था कि हम अदालत में जाएंगे, इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे और इसे खत्म कराने की कोशिश करेंगे। यह बात कहनी ही चाहिए कि सरकार ने इस पूरे मामले को गलत ढंग से संभाला। पुलिस ने हिंसा के माध्यम से आंदोलन को दबाने की कोशिश की। दूसरी गलती यह हुई कि शेख हसीना ने एक गैर-जिम्मेदाराना बयान दे दिया कि जो प्रदर्शनकारी हैं, वे रजाकार हैं। ध्यान रहे, रजाकार वे लोग थे, जो बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समय पाकिस्तानी सेना के साथ थे। इसके बाद तो विरोध कर रहे छात्र और भड़क गए। छात्रों को यह लगा कि हम शांति की बात करते हैं, पर हमें अपराधी करार दिया गया। इसके बाद ढाका में हिंसा बढ़ती गई और दो सौ से ज्यादा लोग मारे गए। सरकार ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत तक कर दिया था, इसके बावजूद प्रदर्शनकारी संतुष्ट नहीं थे। छात्रों ने शेख हसीना से मांग कर दी कि वह छात्रों की हत्या के लिए माफी मांगें। मुक्तियोद्धाओं के नाम पर दिए जा रहे आरक्षण को सांविधानिक रूप से पूरी तरह खत्म करने के उपाय करें। चूंकि बांग्लादेश की सरकार ने इस दिशा में कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया, इसलिए छात्रों का आक्रोश बढ़ा और बाहर से भी कुछ ताकतों ने उनका समर्थन किया।

अब दुनिया देख रही है, आंदोलन बढ़ते-बढ़ते ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है, जहां प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हाथ धोना पड़ा है। अब सेना प्रमुख ने एलान किया है कि अंतरिम सरकार बनाएंगे। वैसे, बांग्लादेश में यह विरोध अचानक प्रकट नहीं हुआ है, शेख हसीना ने कुछ और भी गड़बड़ियां की थीं या कुछ बड़ी कमियों पर लगाम लगाने में नाकाम रही थीं। अव्वल तो लोकतंत्र को इन्होंने प्रभावित किया था। पिछले दो चुनावों से लोगों की भागीदारी बहुत कम थी। साल 2024 के चुनाव में बमुश्किल 40 प्रतिशत लोगों ने हिस्सा लिया, इसमें भी विपक्षियों ने आरोप लगाया था कि आंकड़ों को मैनेज किया गया। इसके अलावा स्थानीय निकायों के चुनाव में भी गड़बड़ियों को अंजाम दिया गया। लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव होने के बजाय परिवारवाद का बोलबाला रहा। निकायों में ज्यादातर पद रेवड़ियों की तरह रिश्तेदारों में बंटने लगे थे। बांग्लादेश में भ्रष्टाचार भी बढ़ गया था। भाई-भतीजावाद बढ़ने की शिकायत आम लोग करने लगे थे। यह बात सरकार के पक्ष में नहीं थी। सरकार कहीं न कहीं निचले स्तर पर लोकतांत्रिक राष्ट्र की भावना को कायम नहीं रख पा रही थी। इसके अलावा, भ्रष्टाचार भी बढ़ गया था। रोजगार या शिक्षण संस्थानों में भ्रष्टाचार बढ़ गया था। इन तमाम समस्याओं ने मिलकर बांग्लादेश में एक बड़ी घटना को अंजाम दे दिया। तोड़फोड़ और हिंसा बढ़ने लगी, नौबत ऐसी आ गई कि प्रधानमंत्री को हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रधानमंत्री आवास खाली करके जाना पड़ा।

यह ध्यान देने की बात है कि मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थक भी लगातार नाराज चल रहे थे। वैसे, बीएनपी के नेता कमोबेश अपनी विश्वसनीयता गंवा चुके थे। साल 2014 के चुनाव का भी इसने बहिष्कार किया था और साल 2024 के चुनाव का भी। चुनावों के बहिष्कार की वजह से निचले स्तर पर बीएनपी का समर्थन घट गया था। अब इसमें कोई दोराय नहीं कि छात्रों में फैली नाराजगी का फायदा बीएनपी के नेताओं ने भी उठाया है। ऐसे हालात पैदा हो गए कि हसीना सरकार का नियंत्रण कमजोर पड़ गया। यहां श्रीलंका की भी याद आ रही है। जिस प्रकार से राजधानी कोलंबो में लोगों ने सड़क पर निकलकर राजपक्षे की सरकार को पलट दिया था, ठीक उसी प्रकार के दृश्य ढाका में भी दिखे हैं और राजपक्षे की तरह शेख हसीना को भी देश छोड़ जाना पड़ा है।

बहरहाल, अब बांग्लादेश में क्या होगा? सेना निष्पक्ष अंतरिम सरकार की बात कर रही है, क्या उसमें सभी पार्टियों के सदस्य शामिल होंगे? सरकार चलाने की जिम्मेदारी नेताओं को दी जाएगी या जन-सेवकों को? खैर, अब बांग्लादेश में सेना चाहती है कि जनता सहयोग करे,तो देश में माहौल को सुधारा जा सके। अब पहला सवाल तो यह पूछा जा रहा है कि बांग्लादेश में जो विकास परियोजनाएं चल रही हैं, उनका क्या होगा? ऐसा लगता है कि वहां कोई भी सरकार यह नहीं चाहेगी कि देश की तरक्की रुके। भारत, चीन और जापान के साथ मिलकर बांग्लादेश अपनी विकास परियोजनाएं चला रहा है। सवाल यह भी उठता है कि भारत को अभी क्या करना चाहिए? वैसे जिस नेता या समूह को पश्चिमी देशों का समर्थन होगा, उसके पक्ष में भारत खड़ा हो जाएगा। भारत चाहता है कि बांग्लादेश में शांति रहे, स्थिर सरकार रहे, ताकि तेज विकास हो। भारत को किसी पार्टी विशेष के साथ संबंध न रखते हुए बांग्लादेश के विकास के पक्ष में खड़े रहना चाहिए। ध्यान रहे, पहले भी अंतरिम सरकार के साथ भारत के संबंध अच्छे रहे हैं। जो भी सरकार बनेगी, वह भारत के साथ अच्छे संबंध ही रखना चाहेगी। भारत यही उम्मीद करेगा कि बांग्लादेश में जल्दी शांति और स्थिरता स्थापित हो। बेशक, वहां आम जनता के अनुकूल समाधान का इंतजार रहेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युवाओं को बेहतर भविष्य संजोने का मौका

कारगिल विजय दिवस पर छह राज्यों की भाजपा सरकार ने अग्निवीरों को तोहफा दिया है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों द्वारा यह जानकारी दी गई है। अग्निवीर जब सेना की अपनी सेवा के बाद वापस लौटेंगे तो उन्हें पुलिस और पीएसी में प्राथमिकतानुसार समायोजित किया जाएगा।

अग्निवीर योजना केंद्र सरकार की ड्रीम योजनाओं में से है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2022 में शुरू की गई थी। इसके तहत 17 से 21 साल की आयु वाले युवाओं को भारतीय सेना में चार साल के लिए सेवा का अवसर दिया जा रहा है।

आर्मी, नेवी और एयर फोर्स में सैनिक स्तर पर भर्ती के लिए अग्निवीर योजना को लागू किया गया है। आम चुनाव के दौरान विपक्ष ने इस योजना को विशेष तौर से निशाने पर रखा था और इसे लगातार रद्द करने की मांग कर रहा है। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सत्ता में आने के बाद इसे बंद करने की बात करते हैं।

हालांकि सरकार बार-बार इस योजना को लेकर दलील देती रही है कि कुछ राजनीतिक दल इस तरह की बातों से युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। अग्निवीरों के लिए आरक्षण की इस घोषणा के पीछे यही दबाव माना जा रहा है।

चूंकि ये अल्पकालिक सेवाएं हैं, इसलिए कहा जा रहा है कि चार साल बाद ये सेवामुक्त अग्निवीर पुनः बेरोजगार हो जाएंगे। इसलिए सरकार ने इन्हें निश्चित आरक्षण देकर इस विवाद को संभालने का प्रयास किया है। हालांकि कुछ समय पूर्व ही गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में दस फीसद पद आरक्षित करने का भी ऐलान किया गया है।

साथ ही, अग्निवीरों में से पच्चीस प्रतिशत को पंद्रह सालों तक सेवा में बनाए रखने का प्रावधान भी जोड़ा गया। देश में बढ़ती जा रही बेरोजगारी सरकार के लिए कड़ी चुनौती बनती जा रही है। दूसरे, बहुत बड़ा वर्ग सेना में नियुक्ति को लेकर विशेष उत्सुक रहता है।

उसे प्राप्त होने वाला यह मौका सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। सेना में केवल चार वर्षों के सेवाकाल के उपरांत इन प्रशिक्षित युवाओं का इससे बेहतर इस्तेमाल नहीं हो सकता। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि ये योजनाएं युवाओं को बेहतर भविष्य संजोने का मौका देने वाली साबित हो सकती हैं बशर्ते अग्निवीर को चार साल के कार्यकाल के बाद अवसरों के दरवाजे बंद न हों।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

किसी को न आए ऐसी बेबसी की मौत

सुनील दास

बारिश किसी के लिए वरदान है तो किसी के लिए मुसीबत है, आफ्त है, बेबसी की मौत का कारण भी है। खेती किसानी करने वाले बारिश न न हो तो बारिश का इंतजार करते हैं, भगवान से प्रार्थना करते हैं कि भगवान जल्द बारिश करो। नहीं तो सारी मेहनत बेकार हो जाएगी। कच्चे घरों में रहने वाले बारिश का मौसम आने को होता है तो वह परेशान हो जाते हैं कि फिर छत से पानी टपकेगा, फिर घर में सोना, उठना, बैठना हराम हो जाएगा, फिर डर लगा रहेगा कि ज्याद बारिश हुई तो घर ही न गिर जाए, कोई अनहोनी न हो जाए।

हर बारिश में ऐसा होता है कि कई गरीबों के घर गिर जाते हैं लोग बेघर हो जाते हैं, अपना कोई घर नहीं होता है, छत से पानी टपकने पर भी घर तो घर ही होता है। एक एहसास होता है कि जैसा भी है, अपना घर तो है.ऐसे घर में रहने वाले हर गरीब को एक बड़ा सपना होता है कि अपना भी एक पक्का घर होता। जिसमें कितनी भी तेज बारिश हो, हम अपने घर में चैन से रह सकें। न कहीं पानी टपकने की चिंता हो, न घर गिरने का कोई डर हो। तेज बारिश हो, घर कच्चा हो और उस पर कमजोर भी तो बहुत सारे लोग कह सकते हैं कि उनको ऐसे बारिश में उस कमजोर घर में नही रहना चाहिए, जिससे बारिश में गिर जाने की आशंका हो लेकिन अपने घर के गिरने का खतरा होने पर भी कई लोग अपना घर छोड़ नहीं पाते हैं। उसी घर में रहते है,और एक दिन उसी घर की दीवार व छत गिर जाने से वह मर जाते हैं, उसी घर मे मर जाते हैं. जहां वह खुद को, परिवार को सुरक्षित समझते थे। मौत का एक दिन तय है लेकिन अपने घर की दीवारों व छत के नीचे परिवार सहित दबकर मरना ऐसी बेबसी की मौत है कि ऐसी मौत किसी को नहीं आनी चाहिए।

ऐसी मौत बारिश में किसी भी गांव,शहर में किसी गरीब की हो सकती है। हर साल होती है। ऐसे में जब किसी भी राजनीतिक दल की सरकार गरीबों को रहने के लिए पक्का मकान देती है तो वह एक मकान या घर नहीं होता है, वह गरीब का सबसे बड़ा सपना होता है, वह उसकी जीवन की सुरक्षा की गारंटी होती है, बारिश में चैन से रहने का भरोसा होता है। बारिश में उसे कोई डर नहीं होता है कि यह घर गिर सकता है। ऐसी योजना का किसी राजनीतिक दल को विरोध नहीं करना चाहिए. ऐसी योजना किसी भी राजनीतिक दल की सरकार लाती है, तो उसका स्वागत करना चाहिए,वह सरकार चुनाव में हार जाती है तो आनेवाली वाली सरकार को भी उस गरीबों को पक्का घर देने की योजना को चालू रहने देना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कोई सरकार यह सोचती है कि यह तो उस सरकार की योजना है, इसे हम क्यों चलाए, हम अपनी दूसरी योजना बनाएंगे। कई सरकार गरीबों को पक्का घर देने की जगह दूसरी योजना बनाती है,लागू करती है और उससे गरीबों को पक्का घर नहीं मिलता है तो सीधी सी बात है कि दूसरी योजना उतनी अच्छी नहीं कही जा सकती जितन पक्का घर देने की योजना कही जाएगी।

रोटी, कपड़ा और मकान यह सबसे जरूरी है, इसलिए इससे जुडी हुई योजनाओं को कोई भी सरकार आए चलाते रहना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए ऐसी योजनाएं नहीं चलाने या बंद कर देने का मतलब होता है कि आपने किसी गरीब परिवार को बेबसी की मौत मरने के लिए छोड़ दिया है। मोदी सरकार की पीएम आवास योजना इसलिए अचछी नहीं है कि यह मोदी सरकार या भाजपा सरकार की योजना है। यह अच्छी इसलिए कही या मानी जानी चाहिए कि इस योजना में पक्का मकान मिलने पर कोई गरीब परिवार बेबसी की मौत नहीं मरता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

दुनिया में भूखमरी जैसी समस्या का भी हल नहीं

रविशंकर

दुनियाभर के लिए भुखमरी आज एक वैश्विक समस्या बन गई है। जनसंख्या बढ़ने के साथ ही विभर में भुखमरी का आंकड़ा भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। जबकि पृथ्वी पर हर एक इंसान का पेट भरने लायक पर्याप्त भोजन का उत्पादन हो रहा है, लेकिन फिर भी दुनिया के कुछ हिस्सों में भुखमरी बढ़ती जा रही है। हकीकत ये है कि आधुनिक दुनिया में आज हर 11वां इंसान अभी भी खाली पेट सोने को मजबूर है। मतलब की दुनिया में 73.3 करोड़ लोग ऐसे हैं,जिन्हें भरपेट खाना नसीब नहीं हो रहा है। यदि 2019 की तुलना में देखें तो इन लोगों की संख्या में 15.2 करोड़ का इजाफा हुआ है।

अफ्रीका में हालात तो और भी कहीं ज्यादा खराब है, जहां हर पांचवां इंसान भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। ये जानकारी दुनिया में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति पर जारी एक नई रिपोर्ट में सामने आई है। 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2024' नामक ये रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी), यूनिसेफ, विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है।

इस रिपोर्ट में बताया गया है कि आज दुनिया की एक तिहाई आबादी ऐसी है, जो पोषण युक्त आहार खरीदने में सक्षम नहीं है। रिपोर्ट में जो आंकड़े साझा किए गए हैं वो खाद्य सुरक्षा की एक गंभीर तस्वीर पेश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 233 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें नियमित तौर पर पर्याप्त भोजन हासिल करने के लिए जूझना

पड़ रहा है। इनमें 86.4 करोड़ लोग वो हैं जिन्हें गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। यानी उन्हें कुछ समय बिना खाए ही गुजारा करना पड़ा है। वास्तविकता में देखें तो पोषण के मामले में दुनिया 15 साल पीछे चली गई है और कुपोषण का स्तर 2008-2009 के स्तर पर पहुंच चुका है। हालांकि देखा जाए तो ये स्थिति तब है जब सतत विकास के लक्ष्यों के तहत 2030 तक किसी को खाली पेट न सोने देने की बात कही गई थी। मतलब की इन छह वर्षों में दुनिया को एक लंबा सफर तय करना है। रिपोर्ट में ये चेतावनी भी दी गई है कि अगर मौजूदा हालात इसी तरह से जारी रही, तो 2030 तक लगभग 58 करोड़ से ज्यादा लोग गंभीर कुपोषण का शिकार हो जाएंगे। इनमें से आधे अफ्रीका में होंगे।

साफ है, दुनियाभर में तमाम प्रोग्राम और संयुक्त राष्ट्र की कोशिशों के बावजूद खाद्य असामनता और कुपोषण जैसे मुद्दे पर अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। यूं तो इंसान पांच दशक पहले ही चांद पर पहुंच गया, लेकिन इसी दुनिया में आज भी करोड़ों लोगों को चांद रोटी में नजर आता है। ताजा रिपोर्ट देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया में भुखमरी की संख्या घटने की बजाए तेजी से बढ़ रही है। साफ है, भूख की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अभी दुनिया को एक लंबा रास्ता तय किया जाना बाकी है। ये कैसी विडंबना है एक ओर हमारे और आपके घर में रोज सुबह रात का बचा हुआ खाना बासी समझ कर फेंक दिया जाता है तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्हें एक वक्त का खानातक नसीब नहीं हो रहा है और वे भूख से जूझ और मर रहे है।

दुनिया भर में हर साल जितना भोजन तैयार होता है उसका लगभग एक-तिहाई बर्बाद हो जाता है। बर्बाद किया जाने वाला खाना इतना होता है कि उससे दो अरब लोगों के भोजन की ज़रूरत पूरी हो सकती है। गौर करने वाली बात ये है कि दुनिया में बढ़ती संपन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही लोगों में खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। कमोबेश हर विकसित और विकासशील देश की यही कहानी है। अगर इस बर्बादी को रोका जा सके तो कई लोगों का पेट भरा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ, खाद्यान्न की क्षति और बर्बादी न केवल संसाधनों के कुप्रबंधन का मुद्दा है बल्कि ये बड़े पैमाने पर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी योगदान देती है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के आठ प्रतिशत के लिए खाद्य अपशिष्ट भी जिम्मेदार होते हैं।

वर्तमान समय में हर देश विकास के पथ पर आगे बढ़ने का दावा करता है। अल्पविकसित देश विकासशील देश बनना चाहते हैं तो वहीं विकासशील देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होना चाहते हैं। इसके लिए देशों की सरकारें प्रयास भी करती हैं तथा विकास के संदर्भ में अपनी उपलब्धियों को गिनाती हैं। यहां तक कि विकास दर के आंकड़े से ये अनुमान लगाया जाता है कि कोई देश किस तरह विकास कर रहा है कैसे आगे बढ़ रहा है? ऐसे में जब कोई ऐसा आंकड़ा सामने आ जाए जो आपको ये बताए कि अभी तो देश 'भूख' जैसी 'समस्या को भी हल नहीं कर पाया है, तब विकास के आंकड़े झूठे लगने लगते हैं। ये कैसा विकास है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को भोजन भी उपलब्ध नहीं है।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

अनुविभागीय अधिकारी पाटन, न.पा. अमलेश्वर के प्रशासक पदस्थ

दुर्ग। राज्य शासन के राजपत्र (असाधरण) में प्रकाशित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिसूचना के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन को नगर पालिका अमलेश्वर की परिषद के कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु प्रशासक पद पर पदस्थ किया गया है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने नगर पालिका अधिनियम 1901 की वैधानिक प्रावधानों में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए नगर पालिका अमलेश्वर की परिषद के कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु अनुविभागीय अधिकारी पाटन को प्रशासक नियुक्त किया है। आदेश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन लवकेश ध्रुव द्वारा 30 जुलाई 2024 को अपरान्ह प्रशासक नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के पद में कार्यभार ग्रहण किया गया है।

अब तक 441.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 05 अगस्त तक 441.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 744.0 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 308.1 मिमी धमधा तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 384.6 मिमी, तहसील बोरी में 326.9 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 400.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 486.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 05 अगस्त को तहसील दुर्ग में 0.0 मिमी, तहसील धमधा में 0.0 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 12.2, तहसील भिलाई-3 में 0.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 8 को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा जिले में नियोजक द्वारा उपलब्ध 77 रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 08 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में नियोजक वास्लोह बीके कास्टिंग लिमिटेड के 2, एडलवाइस लाइफइंश्योरेंस कंपनी के 10, स्टारेक्स मिनरल्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के 54, हेवी मशीन ड्राईवर के 10, टेंडर/सेल्स ऑफिसर के एक पदों पर भर्ती की जाएगी। उप संचालक आर.के.कुर्रे के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र जाति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

सेक्टर-7 शिवधाम में सैकड़ों महिलाओं ने की महाआरती

दियो की रोशनी से जगमग हुआ शिवधाम तालाब, विधायक देवेन्द्र ने सपत्निक किया रुद्राभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन के तीसरे सोमवार को सेक्टर-7 शिवधाम मंदिर में रुद्राभिषेक व महाआरती का आयोजन किया गया। सुबह से ही शिवधाम मंदिर में जलाभिषेक का सिलसिला चलता रहा। विधायक देवेन्द्र यादव अपनी पत्नी श्रुतिका ताम्रकर यादव के संघ रुद्राभिषेक किया। इस दौरान स्थानीय पार्षद व एमआईसी मेंबर लक्ष्मीपति राजू के साथ सैकड़ों की संख्या में भक्त मौजूद रहे। दिनभर मंदिर परिसर में रुद्राभिषेक का दौर चला। दोपहर को महाप्रसाद का वितरण भी किया गया। देर शाम शिवधाम मंदिर परिसर व तालाब में महाआरती हुई। सैकड़ों महिलाओं ने हाथों में दिया थामे महाआरती की। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।

सावन सोमवार के पावन पर्व की शुरूआत हो गई है। हर साल की तरह इस साल भी एमआईसी सदस्या लक्ष्मीपति राजू ने सेक्टर 7 तालाब में भगवान शिव की आराधना के लिए भव्य महाआरती और रूद्राभिषेक का आयोजन किया। इसके लिए पूरे तालाब का सौंदर्यीकरण की गई है। इस महापर्व में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव विशेष रूप से शामिल हुए। सावन सोमवार के पावन अवसर पर भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव अपनी धर्मपत्नी श्रुतिका ताम्रकार यादव के साथ सेक्टर 7 शिव मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। महाआरती में विशेष रूप से शामिल हुए। शिवलिंग में बेल पत्र, दूध, दही, पुष्प आदि अर्पित किए।

जल चढ़ाया और महामृत्युजय का जाप करके बाबा भोलेनाथ से हाथ जोड़कर भिलाई वासियों के हित और विकास की कामना प्रार्थना की। साथ ही देवों के देव महादेव के समक्ष शिश झूकाकर प्रार्थना की कि बाबा सभी पर कृपा बनाएं रखे। सभी के जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली लाए, सभी बच्चे युवाओं और वृद्धजनों को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करें।

1008 महिलाओं ने की महाआरती

देरशाम को 1008 महिलाओं तालाब के चारों ओर खड़ी होकर महादेव की महाआरती की। महाआरती की नजारा देखते ही बन रहा था। दियो की रोशनी से पूरा तालाब परिसर जगमगा रहा था। महाआरती के आयोजक लक्ष्मीपति राजू ने कहा कि हर साल महाआरती की भव्यता बढ़ती ही जा रही है। लोग दूर दूर से आते हैं और इस महाआरती में शामिल होते हैं। पवित्र सावन के माह में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में हर कोई रमा है। खासकर महिलाओं ने पूरी श्रद्धाभावना के साथ इस महाआरती को संपूर्ण किया है।

भक्ति संगीत में नाचते झूमते रहे भक्त

सावन तीसरे सोमवार को शिवधाम परिसर में उत्सव का माहौल रहा। यहां सुबह से ही भक्तों का आगमन शुरू हो चुका था। सुबह 10 बजे से प्रसिद्ध भजन गायक अंकित तिवारी भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान बाबा की भक्ति संगीत में भक्त नाचते झूमते रहे। इसके बाद 11 बजे से महाभंडारा का आयाजन किया गया जो शाम तक चलता रहा। इस दौरान हजारों लोगों ने बाबा का भोग ग्रहण किया। शाम को 4 बजे से लल्लू महाराज रायपुर वाले ने अपने भजनों की प्रस्तुति दी।

हर साल सावन पर्व धूमधाम से मनाते हैं

भिलाई नगर विधायक हर साल सावन सोमवार के पर्व को बहुत धूमधाम से मनाते है। बाबा महाकाल का आराधना करते हैं और शहर के विभिन्न शिवालयों में जाकर पूजाअर्चना करते हैं। सावन के इस पहले सोमवार की शुरूआत विधायक देवेंद्र यादव ने बाबा भोलेनाथ की आराधना से शुरू की। सुबह 7 बजे विधायक श्री यादव विभिन्न शिवालयों में जाकर पूजा अर्चना किए। शिवलिंग पर दूध, बेल पत्र, फल-फूल आदि अर्पित किए। इसके बाद ओम नमः शिवाय की जाप के साथ पूजा आरती की। 108 बार महामृत्युंजय का जाम किया। पूजा अर्चना के बाद मंदिर परिसर में स्थिति बाबा भोले नाथ के सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

युवोदय स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन एवं नगर निगम भिलाई कमीश्नर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में युवोदय स्वयंसेवकों द्वारा सोमवार को दोपहर 2.30 बजे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर मुक्तिधाम, भिलाई में नशामुक्ति, डायरिया एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत एक रैली का आयोजन किया गया, इसमें लगभग 250 बच्चों ने भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम में तीन विद्यालयों के बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

रैली का शुभारंभ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर मुक्तिधाम से किया गया, जहां बच्चों ने नशामुक्ति, डायरिया की रोकथाम एवं स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए नारे लगाए और पोस्टर प्रदर्शित किए। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में नशे की लत को रोकना, डायरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम करना और स्वच्छता के विभिन्न थीम सिंगल यूज प्लास्टिक, गिला कचरा-सुखा कचरा, होम कंपोस्ट बनाने की विधि के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्कूलों के नाम इस प्रकार हैं - शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर, महारानी लक्ष्मीबाई माध्यमिक विद्यालय, शहीद वीरनारायण सिंह विद्यालय। इस अवसर पर जोन कमिश्नर सुश्री ऐशा लहरे के द्वारा प्राचार्य एवं स्कूल शिक्षको के उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। रैली भिलाई नगर निगम के रामनगर क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए गुजरा । नगर निगम टीम के द्वारा बच्चों को जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके प्रयासों की सराहना की। इस प्रकार के अभियान समाज को स्वस्थ और स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को किए गए और उनके प्रयासों की सराहना की गई। युवोदय स्वयंसेवकों ने भी इस सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस जागरूकता अभियान के माध्यम से न केवल बच्चों में बल्कि समुदाय के सभी लोगों में भी नशामुक्ति, डायरिया की रोकथाम और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

बीएसपी के नवनियुक्त प्रबंधन प्रशिक्षुओं के साथ 'इंटरेक्शन कार्यक्रम' का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में शामिल 2024 बैच के नवनियुक्त प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए शीर्ष प्रबंधन के साथ संवाद हेतु इस्पात भवन में 05 अगस्त 2024 को एक विशेष 'इंटरेक्शन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य रूप से उपस्थित भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने 10 नवनियुक्त प्रबंधन प्रशिक्षुओं से परिचय किया व विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) कंपनी के खदानों के लिए भर्ती हुए यह प्रबंधन प्रशिक्षु भिलाई इस्पात संयंत्र में शामिल होकर खदान विभाग में कनिष्ठ प्रबंधक के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण करेंगे। अनिर्बान दासगुप्ता ने, नवनियुक्त प्रबंधन प्रशिक्षुओं (तकनीकी- एमटीटी) को भिलाई इस्पात संयंत्र में शामिल होने पर

बधाई देते हुए, भविष्य में उनके नये कार्यभार के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, संयंत्र को प्रत्येक स्तर पर सदैव अग्रसर बनाये रखने हेतु आप सभी अपने सुझाव देने के लिए हमेशा आमंत्रित हैं। सेल में अपने निजी कार्य अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने भी 1986 में आप लोगों की ही तरह एक एमटीटी के रूप में सेल ज्वाइन किया था, जिसके बाद मुझे सेल की विभिन्न ईकाइयों व कार्यालयों में सेवाएं प्रदान करने का अनुभव प्राप्त हुआ है। उन्होंने सुरक्षा के साथ पर्यावरण के प्रति सजग रहते हुए, उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे खदानों से लेकर संयंत्र तक के कार्यों में गुणवत्ता को बनाये रखने की चुनौतियों पर जोर दियाद्य उन्होंने रावघाट खदान के विकास के साथ निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत आसपास के क्षेत्रों के विकास की बात पर भी प्रकाश डाला।

इसके अलावा अपने वक्तव्य में उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान व क्रियाकलापों को रेखांकित किया, साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक व अन्य क्षेत्रों में संयत्र द्वारा संचालित महत्वपूर्ण गतिविधियों पर भी सविस्तार चर्चा की। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी. के. गिरी, मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी एवं मुख्य महाप्रबंधक अरुण कुमार समेत संयंत्र के अन्य अधिकारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक पवन कुमार एवं कार्यपालक निदेशक बी. के. गिरी ने भी नवनियुक्त प्रबंधन प्रशिक्षुओं का सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र परिवार में स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। संवाद कार्यक्रम के दौरान सभी प्रबंधन प्रशिक्षुओं ने, अपनी शिक्षा-योग्यता, तथा पूर्व कार्यानुभव साझा किये व संयंत्र के प्रति समर्पण दर्शाते हुए, अपने चयन के लिए सेल-बीएसपी प्रबंधन को धन्यवाद दिया। प्रबंधन प्रशिक्षुओं ने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध रहने की भी बात कही।

सर्वे रिपोर्ट में नाम छूट जाने के कारण नही मिल पाया पट्टा

आवेदक ने कलेक्टर से लगाई गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋ चा प्रकाश चौधरी ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 135 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे तितुरडीह निवासी ने अवैध अतिक्रमण की शिकायत की।

उन्होंने कहा कि हनुमान नगर वार्ड-21 तितुरडीह हनुमान मंदिर के सामने से 60 फीट सड़क को अवैध रूप से अतिक्रमण कर मकान व बाउण्ड्रीवाल का निर्माण पक्की सड़क को तोड़कर बाउण्ड्रीवाल के लिए कालम उठाया जा रहा है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम डून्डेरा के किसानों ने ग्राम डून्डेरा में अवैध कब्जे की शिकायत की। उन्होंने बताया कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर कृषि कार्य किया जा रहा है, चूंकि वह जगह आम किसानों के आने जाने के लिए रखा गया था। उक्त शासकीय जगह को कब्जा करने के कारण किसानों को कृषि कार्य करने व कृषि उपकरण समान ले जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार रिसाली को निरीक्षण कर आवश्यक करने को कहा। दुर्ग निवासी ने पट्टा प्रदान करने आवेदन दिया। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष से अधिक समय से वह लगातार निवासरत है। विगत दिनों शासन द्वारा उक्त क्षेत्र का सर्वे किया

गया एवं सभी लोगों को पट्टा प्रदान किया गया। जिस समय घर का सर्वे किया जा रहा था उस समय उनका परिवार वहां उपस्थित नही था। बीमारी के चलते उन्हें अहमदाबाद जाना पड़ता है। बाहर होने के कारण सर्वे में उनका नाम छूट गया है, जिसके कारण पट्टा प्रदान नही हो पाया है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। गया नगर दुर्ग निवासी ने बताया कि वार्ड क्रमांक 5 गया नगर गली को विगत दिवस सीमेंटीकरण किया गया। सीमेंटीकरण हो जाने के कारण पानी निकासी नही हो पा रही है, जिसके कारण पानी गली में जमा हो रहा है, जमा पानी में मच्छर पनपने के कारण डेंगू, मलेरिया होने का खतरा बना रहता है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। चंगोरी ग्रामवासियों ने शासकीय घास भूमि से अतिक्रमण हटाने कलेक्टर से गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि घास भूमि में अतिक्रमण कर अवैध निर्माण होने के कारण गौवंश हेतु चारागाह नही है। ग्रामवासियों द्वारा इस संबंध में हल्का पटवारी के समक्ष अतिक्रमण जांच हेतु ज्ञापन भी सौपा गया था। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। आज जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना, आर्थिक सहायता, अनुकंपा नियुक्ति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अवैध कब्जा के अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। जनदर्शन के दौरान उपस्थित विभागीय अधिकारी द्वारा राशन कार्ड एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही भी की गई।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

संभागायुक्त महादेव कावरे ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे ने छत्तीसगढ़ कॉलेज में चल रही विभागीय परीक्षा का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर बिजली, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के निर्देश केंद्र प्रभारी को दिये। छतीसगढ़ कॉलेज को शासकीय विभागीय परीक्षा के लिए केंद्र बनाया गया है । दो पालियों ने आयोजित की जा रही विभागीय परीक्षा में विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी शामिल हो रहे है । आज इस केंद्र पर दूसरी पाली में 38 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी और दो अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, वहीं सुबह की पाली में 58 अधिकारी कर्मचारियों ने परीक्षा दी।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने रेडक्रॉस सभाकक्ष मे आयोजित जनदर्शन मे आम नागरिकों की समस्याओ को सुना। कलेक्टर ने

आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश भी दिया। इस दौरान अनेकों आवेदन प्राप्त हुआ। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जनदर्शन के दौरान की पारागांव अभनपुर निवासी फूलबासन वर्मा ने सामान्य राशनकार्ड को अंतयोदय राशन कार्ड में बदलने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कार्रवाई करने का तत्काल निर्देश दिया। बतरसी निवासी सुषमा यादव ने ग्राम पंचायत के सहायिका के पद के लिए आवेदन दिया था। उनको नियुक्ति मिल गया है, लेकिन अभी तक आदेश कापी नहीं नहीं मिली है। जिससे नियुक्ति में देरी हो रही है। रायपुर के उद्यानों में पदस्थ दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिलने को लेकर शिकायत,तिल्दा के बहराडीह निवासी तोरन ने बेजा कब्जा हटाने, रवि शर्मा ने वामनराव लाखे वार्ड में जलभराव की समस्या जैसे अन्य आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री कावरे ने तीन शासकीय कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण, बोर्ड लगाकर शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित करने कहा

25 से अधिक अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस थमाने निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संभागायुक्त महादेव कावरे राजधानी रायपुर स्थित तीन शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया और निर्धारित समय 10 बजे कार्यालय से अनुपस्थित लगभग 25 अधिकारी कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। श्री कावरे कृषि विभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय पहुंचे। कार्यालय में निर्धारित समय 10 बजे कोई अधिकारी कर्मचारी उपस्थित नही थे। कार्यालय के मेन गेट पर लगा ताला देख संभागायुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संयुक्त संचालक से दूरभाष पर बात कर सभी अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। श्री कावरे ने इसके बाद नगर एवं निवेश विभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय और सहकारी समितियों के पंजीयक कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इन दोनों कार्यालयों में भी अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश संभागायुक्त ने दिए। उन्होंने सभी अधिकारी कर्मचारियों को निर्धारित समय सुबह 10 बजे कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश भी दिए।

+निरीक्षण के दौरान नगर एवं निवेश कार्यालय पहुंचे संभागायुक्त ने उपस्थित कर्मचारियों से लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की जानकारी मांगी। उपस्थित कर्मचारी द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं करा पाने पर श्री कावरे ने नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित प्रकरणों का ऑनलाइन रिकार्ड रखने के साथ-साथ पंजी संधारण करने के निर्देश भी दिए। संभागायुक्त ने उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यालय में आने वाले नागरिकों को शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ सरलता से दिलाने का प्रयास किया जाए। नागरिकों को अपने कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर ना काटने पड़े। संभागायुक्त ने लंबित प्रकरणों का भी शासकीय नियम अनुसार त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम सहित शासकीय योजनाओं और उनके क्रियान्वयन के लिए निर्धारित समय सीमा की जानकारी कार्यालयों के बाहर समुचित स्थान पर प्रदर्शित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय व भारतीय मानक ब्यूरो के मध्य हुआ अनुबंध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित सभी कृषि प्रदर्शन प्रक्षेत्रों में अब भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तय कृषि पद्धतियों का उपयोग किया जाएगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय मान ब्यूरो के मध्य इस संबंध में आज यहां एक अनुबंध किया गया जिसके तहत कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सभी प्रदर्शन प्रक्षेत्रों में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुशंसित मानक पद्धतियों का अनुसरण किया जाएगा।

अनुबंध पत्र पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल तथा भारतीय मानक ब्यूरो के उप महानिदेशक दिव्येंदु चक्रवर्ती ने हस्ताक्षर किये। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय भारत का दूसरा कृषि विश्वविद्यालय है जहां भारतीय मानक ब्यूरो तय मानकों का उपयोग किया जाएगा। अनुबंध के तहत भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसंधान करने वाले शोधार्थियों को मानक अनुसंधान क्रियाओं का प्रयोग करने हेतु वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी जिससे अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता बढ़ेगी और शोधार्थियों को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में विभिन्न अंचलों में अलग-अलग कृषि पद्धतियां एवं क्रियाओं का उपयोग किया जाता है जिसकी वजह से इसमें विविधताएं पाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न प्रदर्शन प्रक्षेत्रों में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुशंसित कृषि पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं का उपयोग करने से कृषि उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि होगी तथा उत्पादन में इजाफा होगा, इससे यहां होने वाले प्रदर्शनों का अवलोकन कर छत्तीसगढ़ के किसान भी लाभान्वित होंगे। डॉ. चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, पंत नगर कृषि विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड के बाद देश का ऐसा दूसरा विश्वविद्यालय बन गया है जहां भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुशंसित कृषि पद्धतियों का अनुसरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम रायपुर स्थित प्रदर्शन प्रक्षेत्र में इन मानकों का उपयोग किया जाएगा और धीर-धीरे विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त प्रदर्शन प्रक्षेत्रों को मानक पद्धतियों के अंतर्गत लाया जाएगा। भारतीय मानक ब्यूरो के उप महानिदेशक श्री दिव्येंदु चक्रवर्ती ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय मानक ब्यूरो दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण है जब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अपने प्रक्षेत्रों में ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानकों के उपयोग हेतु समझौता किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में 22 हजार से ज्यादा मानक निर्धारित किये गये हैं जिनमें अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य उत्पाद, ग्राहक सेवाएं, कृषि अनुसंधान आदि क्षेत्र शामिल हैं। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विभिन्न उत्पादों एवं प्रक्रियाओं के लिए आई.एस.आई., हॉलमार्क जैसे मानक निर्धारित किये गये हैं जिससे ग्राहकों एवं उपयोगकर्ताओं को उत्पादों एवं सेवाओं के मानकीकृत होने का भरोसा मिलता है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा देश के 100 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के साथ में शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में अनेक अनुबंध किये गये हैं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान विवेक कुमार त्रिपाठी ने स्वागत भाषण उद्बोधन में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय मानक ब्यूरो के मध्य संपादित अनुबंध के बारे में जानकारी दी। भारतीय मानक ब्यूरो के राज्य प्रमुख श्री सुरेश कुमार ने ब्यूरो द्वारा संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. राजेन्द्र लाकपाले, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय कुमार पाण्डेय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. दवे एवं विभिन्न विभागा के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

वक्फ संशोधन देश के मुसलमानो को न्याय देने वाला कानून- सलीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा नेता डॉ. सलीम राज ने केन्द्र की एन.डी.ए. सरकार द्वारा वक्फअधिनियम में किये गये संशोधन का स्वागत करते हुए कहा कि, यह कानून देश के गरीब मुसलमानों को न्याय देने वाला कानून है। वक्फ एक्ट में संशोधन एवं सुधार समय के अनुसार होना चाहिये, वर्तमान में जो विसंगतिया है उसे दूर किये जाने के लिये यह कानून लाया जा रहा है, जिसका हम माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं एन.डी.ए. सरकार का स्वागत करते है।

उन्होने कहा कि, वक्फ बोर्ड गरीब मुसलमानों के उत्थान के लिये बनाया गया था वक्फ संपत्ती को ईश्वर (अल्लाह) की संपत्ती माना जाता है। उसके विपरित वक्फ एक्ट की शक्तियों का सिर्फ दुरूपयोग ही हो रहा है। देश के संघराज्य एवं राज्य वक्फ बोर्डों को प्राप्त असीमित अधिकार एवं शक्तियों के कारण यह मजहबी जमींदारी, भ्रष्टाचार एवं भूमाफियाओ को संरक्षण दे रहा है। वर्तमान वक्फ एक्ट पूरी तरह से निरंकुश है और इससे आम मुसलमानों को कोई फायदा नही हो रहा है। संशोधित वक्फ कानून जमींदारी की दादागिरी तथा भूमाफिया एवं अतिक्रमणकारियों पर नकेल कसने वाला कानून है। वक्फ संपत्तीयों के मामलों में शासन को अधिकार व शक्तियां प्रदान करने वाला कानून है।

उन्होने कहा कि, वक्फ अधिनियम की धारा 09 एवं 14 में बदलाव से बोर्ड और अधिक सशक्त एवं प्रभावशील होगा, वक्फ संपत्ती का पंजीयन सत्यापन से होगा जिससे वक्फ कानून 2013 के दुरूपयोग को रोका जा सकेंगा। कलेक्टर को वक्फ संपत्ति के मामले में शामिल किये जाने से वक्फ बोर्ड का कार्य और अधिक प्रभावशील होगा। नये संशोधन कानून से मुस्लिम समाज के गरीब, तलाकशुदा, विधवा के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिये वक्फ बोर्ड कार्य कर सकेगा। पूर्व में भी कॉंग्रेस सरकार द्वारा वक्फ एक्ट में समय समय पर संशोधन हुआ है। वक्फ बोर्ड के पास 8.7 लाख करोड़ की संपत्ती, 9.4 लाख एकड़ के लगभग जमीन है। इसका सदुपयोग होने से नि:संदेह देश के गरीब मुस्लिम समाज को सीधा फायदा होगा व उनकी शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

चौक-चौराहों के भिक्षुकों को रेसक्यू करने चलेगा अभियान, गांवों में अधिकारी ढूंढेंगे जनसमस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक में शहर के चौक-चौराहों पर भिक्षुकों को रेसक्यू करने अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही भिक्षुकों के पुर्नवास के इंतजाम करने को कहा है, ताकि वहां बेहतर सुविधाएं उन्हें उपलब्ध हो सके। बच्चों को नशे से दूर करने के लिए जागरूक किया जाए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी जिला स्तरीय अधिकारी गांवों में पहुंचकर निरीक्षण करें। प्रत्येक अधिकारी 15-15 दिनों के भीतर गांवों में पहुंचे और जन समस्याओं की रिपोर्ट तैयार करें। इसके बाद उन समस्याओं को त्वरित निराकरण की कार्रवाई शुरू करें। आम जनता को इससे बड़ी राहत मिलेगी और विकास कार्यों में भी तेजी आएगी। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय विभागों में वर्षों से उपस्थित नहीं होने वाले कर्मियों की सूची तैयार की जाए और उन पर तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की जाए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिन नारी निकेतन, बाल संप्रेक्षण गृह में पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित की जाए और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की की जाए। शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड का वितरण किया जाए। जिन भी आवेदकों का मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र अधूरे दस्तावेज होने की वजह से नहीं बने है, इसके लिए दस्तावेज पूर्ण करें और प्रमाण पत्र बनाकर तत्काल जारी किया जाए। जिले के शासकीय अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले भोजन गुणवत्तापूर्ण हो और आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूलों में परोसे जाने वाले भोजन गुणवत्ता में कमी नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि लंबित राजस्व प्रकरणों का तुरंत निराकरण किया जाए। पटवारी व आरआई के प्रतिवेदन लंबित न हो। समय-सीमा के भीतर ही राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, डीएफओ लोकेश पटेल, एडीएम व एसडीम समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

महंत कालेज में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत में इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित

जीवन में लक्ष्य का निर्धारण अति आवश्यक - प्रमोद दुबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं सम्मान में इंडक्शन कार्यक्रम रखा गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे ने कहा कि नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को प्रारम्भ से लक्ष्य तय करके आगे बढना चाहिए ताकि कॉलेज से पढ़कर निकलने के बाद उनका एक सुनहरा भविष्य निश्चित हो।

कार्यक्रम में विशेष रूप से महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी, प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि प्रमोद दुबे ने छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए यह भी कहा कि शैक्षणिक जीवन में एक आदर्श अवश्य तय करना चाहिए महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर सहित कई आदर्श व्यक्तियों के उल्लेख करते हुए सभापति ने यह समझाया कि जीवन में किसी बड़े लक्ष्य का महत्व क्या होता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने स्वागत उद्बोधन में नव प्रवेशी बच्चों से कहा कि कॉलेज में नई शिक्षा नीति लागू है और अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इस कॉलेज का एक ही लक्ष्य है कि पढने वाले विद्यार्थी का एक स्थापित और सुंदर जीवन बनाया जाए इसके लिए सभी शिक्षक समर्पित भाव से काम करते हैं और शिक्षकों को इस बात के लिए प्रेरित किया जाता रहा है आप सभी कॉलेज के अनुशासन में स्वयं तैयार हो और पढ़कर निकले तो कॉलेज का नाम आपके साथ हो। प्रबंध समिति के अध्यक्ष अजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा की कॉलेज में अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन है जो नई शिक्षा नीति के अनुसार अध्ययन और अध्यापन करायेंगे। सभी महाविद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपना अच्छा भविष्य तय करें और उन्होंने छात्र-छात्राओं को सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. किरण अग्रवाल ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अर्चना मोदक ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। श्रीमती प्रमिला गोकुलदास डागा कन्या महाविद्यालय के सभा भवन में राज्य शासन के निर्देशानुसार स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशीत छात्राओं का सोमवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम एवं एनईपी एंबेसडर मनोनयन किया गया। दीक्षारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय विद्यालय समिति के अध्यक्ष श्री अजय तिवारी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती माता पूजन एवं महाविद्यालय में नव प्रवेशीत छात्राओं को तिलक लगाकर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संगीता घई द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में छात्राओं तथा उनके पालकों को विस्तार पूर्वक समझाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अजय तिवारी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल्यों पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि पुरंदर मिश्रा द्वारा छात्राओं को मोबाइल का सदुपयोग करने तथा समस्त प्रकार के नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि द्वारा एनईपी एम्बेसडरों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया तथा उच्च शिक्षा का जीवन में महत्व समझाया। उन्होंने छात्राओं को नो नालेज-विदाउट कालेज,का स्लोगन भी दिया। दीक्षारंभ कार्यक्रम में राष्ट्रीय विद्यालय समिति के गोकुलदास डागा, मदन लाल तालेड़ा, रूपचंद श्रीमाल, अनिल गुप्ता, सुरेश शुक्ला, हरिबल्लभ अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं स्टाफ मौजूद रहे।

शास्त्री बाजार व्यवस्थापित परिसर में दुकानों के आबंटन की प्रक्रिया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर ने शास्त्री बाजार के पास नवनिर्मित व्यवस्थापित परिसर में दुकानों के आबंटन की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इस संबंध में जारी निविदा के अनुसार निर्मित कुल 84 दुकानों का आबंटन किया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम मुख्यालय के बाजार विभाग या वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

दुकानों के आबंटन की अंतिम तिथि 21 अगस्त 2024 निर्धारित है। निर्मित परिसर में 84 दुकानें निर्मित है, जिनमें अनुसूचित जाति के लिए 11 दुकान, अनुसूचित जनजाति के लिए 04 दुकान, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 13 दुकान, विधवा/परित्यक्तता के लिए 03 दुकान, दिव्यांग के लिए 02 दुकान, भूतपूर्व सैनिक के लिए 02 दुकान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के लिए 02, शिक्षित बेरोजगार के लिए 04, महिलाओं के लिए 08, तृतीय लिंग के लिए 02 दुकानें आरक्षित रखी गई है। इसके अलावा 33 दुकानें अनारक्षित श्रेणी की है। इच्छुक व्यक्ति या फर्म अपनी दुकान प्राप्त करने नगर निगम मुख्यालय, बाजार विभाग अथवा नगर निगम रायपुर की वेबसाइट www.nagarnigam-raipur.nic.in पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है।

बिग बॉस ओटीटी-3 की विनर सना मकबूल क्या जल्द करेंगी शादी, ब्वॉयफ्रेंड श्रीकांत ने रिलेशनशिप किया कंफर्म

बिग बॉस ओटीटी 3 की विनर सना मकबूल इस वक्त डबल सेलिब्रेशन कर रही हैं। पहली वजह है, बिग बॉस ओटीटी 3 की ट्रॉफी और 25 लाख का इनाम। वहीं, दूसरी वजह उनके लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड श्रीकांत बुरेड्डी के साथ रिश्ता पक्का होना। इसकी मुहर खुद उनके बॉयफ्रेंड श्रीकांत ने लगाई है। सना बिग बॉस घर के अंदर रह कर अपने फैंस को कई बात इस बात का हिंट दे चुकी थीं कि घर के बाहर एक खास इंसान उनका इंतजार कर रहा है।

2 महीने में सब पता चल जाएगा

सना मकबूल के बॉयफ्रेंड से जब पैपराजी ने उनके रिश्ते के बारे में सवाल किया तो उन्होंने अपने रिश्ते को कुबूलते हुए कहा कि, 2 महीने में आप लोगों को सब पता चल जाएगा। सबको शादी में आना है। हां, हम साथ हैं। जल्द शादी करेंगे और गुड न्यूज भी देंगे। सब चीजें होंगी पर थोड़ा समय दीजिए।'

करोड़पति बिजनेसमैन हैं सना के बॉयफ्रेंड

सना मकबूल और उनके बॉयफ्रेंड लंबे समय से एक दूसरे के साथ हैं। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। वह इसे प्राइवेट ही रखना चाहते थे। लेकिन अब जबकि दोनों ने अपने रिश्ते को एक्सेप्ट कर लिया है तो बता दें कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। श्रीकांत एक करोड़पति बिजनेसमैन और लोन कंपनी के संस्थापक हैं। सना भी इस कंपनी की सीईओ हैं।

सना मकबूल का वर्कफ्रंट

सना मकबूल जल्दी ही एकता कपूर के कलर्स चैनल पर आने वाले सीरियल नागिन में नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पिछली बार वह खतरों के खिलाड़ी के सीजन 11 में नजर आई थी।

प्रियंका चोपड़ा ने सेट से शेयर की खून में लथपथ तस्वीरें

प्रियंका चोपड़ा की फिल्म की शूटिंग हुई पूरी

हॉलीवुड फिल्म द ब्लफ में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आने वाली हॉलीवुड फिल्म द बल्फको लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने इस मूवी की शूटिंग खत्म कर ली है जिसकी जानकारी उन्होंने एक पोस्ट कर अपने फैंस को भी दी है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन तस्वीरें भी शेयर की हैं।

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर काफी सुर्खियों में बनी हुई थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कई बार अपनी इस मूवी से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ शेयर की थी। अब एक बार फिर इस मूवी से जुड़ा अपडेट सामने आया है। बता दें कि उनकी इस हॉलीवुड फिल्में की शूटिंग पूरी हो गई है। शूटिंग पूरी होने के बाद टीम ने इसका जश्न मनाया और एक शानदार पार्टी का भी आयोजन किया। वहीं, प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की कई अनसीन फोटो शेयर की हैं।

कार्ल अर्बन संग दिखी प्रियंका

हाल ही में द एकेडमी ग्रैंड केमैन मार्शल आर्ट्स स्कूल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें प्रियंका चोपड़ा और उनके को-स्टार कार्ल अर्बन तस्वीर में एक साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरे लोग पार्टी करते दिख रहे हैं। वहीं, सोमवार को ग्लोबल आइकॉन ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शूटिंग के दौरान की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस के चेहरे पर खून ही खून नजर आ रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, उनके हाथ की उंगलियों पर भी कई कट लगे हुए नजर आ रहे हैं। फोटोज शेयर करते हुए प्रियंका ने खास कैप्शन भी लिखा है।

एक्ट्रेस ने लिखा कि 'द बल्फ' पर बहुत मजेदार समय। फिल्मांकन का आखिरी हफ्ता, जो लोग नहीं जानते उनके लिए बता दूं कि मैं एक फिल्म के सेट पर हूं और यह सब दिखावा है। समुद्री लुटेरों के जहाजों पर 1800 का दशक हिंसक समय था। यह देखना अविश्वसनीय है कि फिल्म क्रू का हर विभाग कैसे कल्पना को हकीकत में बदल देता है। अब प्रियंका के फैंस उनकी इस मूवी के लिए काफी उत्साहित हैं।

'कांटा लगा गर्ल' ने दिया रिएक्शन, बोलीं- 'इतनी मेहनत की है बॉडी पर'

'कांटा लगा' फेम एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला ने पैप्स के जूम करके बैक दिखाने पर रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है। सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्स के वीडियोज वायरल होते हैं। कई बार अजीबोगरीब वीडियो उनके चर्चा में आ जाते हैं, जो कि पैपराजी द्वारा गलत एंगल से शूट किए जाते हैं। इसे लेकर पहले जान्हवी कपूर समेत कई एक्ट्रेस ने रिएक्शन दिए हैं और इसे गलत करार दिया। ऐसे में अब 'कांटा लगा गर्ल' यानी कि शेफाली जरीवाला इसके उलट प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बॉडी को दिखाने के लिए ही इस पर काफी मेहनत की है। उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है।

शेफाली जरीवाला ने कहा कि पैप्स के फोटोज कल्कि करने पर उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। पैपराजी के गलत एंगल से फोटो खींचने, बॉडी पार्ट्स को जूम करने पर जहां एक्ट्रेसेस गुस्सा निकाल चुकी हैं वहीं, शेफाली का कुछ और ही कहना है। 'कांटा लगा गर्ल' का कहना है कि पैप्स के द्वारा बैक फोटो लेने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल, वो हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस दौरान उस वाकये के बारे में बताया कि जब वो पति पराग त्यागी के साथ बाहर निकली थीं।

ईयरिंग्स उठाकर देने की वजह के बारे में जिक्र करते हुए बताया गया कि पराग ने ऐसा कैमरामैन की वजह से किया था। उन्हें लगा कि अगर शफाली झुकेंगी तो पैप्स उनके बैक को फोकस करते हुए फोटोज क्लिक करेंगे। वहीं, इस पर शेफाली ने कहा कि अगर पैप्स उनके बैक की फोटो लेते हैं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उनका मानना है कि उन्होंने अपनी बॉडी पर काफी मेहनत की है। शेफाली कहती हैं कि उन्हें बुरा नहीं लगेगा। उन्होंने अपनी बॉडी पर काफी मेहनत की है। ताकि वो थोड़ा अच्छा दिखे। इसमें उनको कोई समस्या नहीं है। बहरहाल, अगर शेफाली जरीवाला के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो टीवी हॉरर ड्रामा शो 'सैतानी रस्में' में नजर आ रही हैं। इसमें उन्होंने नेगेटिव भूमिका प्ले की है।

मानसून के कारण करिश्मा तन्ना के बाल हो रहे खराब

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने मुंबई में मानसून के कारण होने वाली परेशानी के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि इस मौसम के कारण उनके बाल उलझ गए हैं। करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने लंबे बालों और बेदाग त्वचा का प्रदर्शन कर रही हैं। सफेद कपड़ों में वह कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराती नजर आ रही हैं।

इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री पाउडर ब्लू शर्ट के साथ डेनिम और सफेद स्नीकर्स में नजर आ रही हैं। अगली तस्वीर में वह एक इमारत के सामने पोज देती दिख रही हैं। इस फोटो को देखकर ऐसा लग रहा है कि यह विदेश की है।

आखिरी तस्वीर में उन्हें केक और एक कॉफी कप के साथ देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने पोस्ट में इस बात का खुलासा नहीं किया है कि ये तस्वीरें कहां की हैं। करिश्मा ने 2001 में क्योंकि सास भी कभी बहू थी शो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। इसके बाद वह पालखी, नागिन 3 और कयामत की रात जैसे शो में नजर आईं।

अपने करियर में अभिनेत्री ने लगभग हर चीज आजमाई है। डेली सोप में काम करने के बाद उन्हें बिग बॉस 8 और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 10 जैसे रियलिटी शो में देखा गया। इसके बाद उन्होंने बड़े पर्दे पर दोस्ती-फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती और संजू जैसी फिल्में कीं।

करिश्मा ने करले तू भी मोहब्बत के साथ ओटीटी स्पेस में भी हाथ आजमाया, लेकिन हंसल मेहता द्वारा निर्देशित स्कूप में उनके काम ने उन्हें स्टारडम दिलाया। मार्च में अभिनेत्री ने कहा था कि स्कूप ने उन्हें जो पहचान दी है, इससे दर्शक उन्हें गंभीरता से लेने लगे हैं। उन्होंने कहा था, स्कूप से पहले भी मुझे लोग जानते थे। मैं काफी समय से इस इंडस्ट्री का हिस्सा रही हूं। मगर इससे मुझे जो पहचान मिली, वह मेरे लिए काफी मायने रखती है। इसके बाद मुझे दर्शकों का ज्यादा प्यार मिला है। मेरे फैंस को ऐसा लगता है कि यह मेरे लिए एक अच्छा बदलाव है। मुझे भी यह बदलाव पसंद आ रहा है।

बिग बॉस मराठी-5 में भी निक्की तम्बोली की चर्चा

होस्ट रितेश देशमुख ने इस वजह से पूरे महाराष्ट्र से मंगवाई माफी

बिग बॉस मराठी सीजन 5 के पहले वीकेंड का वार पर बिग बॉस 14 फेम कंटेस्टेंट निक्की तम्बोली को होस्ट रितेश देशमुख ने खूब खरीखोटी सुनाई। बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 जहां खत्म हुआ है तो वहीं बिग बॉस मराठी सीजन 5 की शुरूआत हो गई है। इस बार शो में निक्की तम्बोली भी हिस्सा बनती दिखाई दीं, जो बिग बॉस 14 में नजर आई थीं। जहां उनके लड़ाइयों की चर्चा खूब सुनने और देखने को मिली। लेकिन बिग बॉस मराठी में भी अब वह सुर्खियों में हैं। दरअसल, वहीं पहले वीकेंड का वार पर होस्ट रितेश देशमुख ने सभी घरवालों की क्लास ली। वहीं खासकर निक्की तम्बोली को साथी कंटेस्टेंट और सीनियर एक्ट्रेस वर्षा उसगावकर के साथ बद्तमीजी करने को लेकर खरीखोटी सुनाई। इतना ही नहीं उनसे पूरे महाराष्ट्र से माफी मांगने के लिए भी कहा। लेटेस्ट एपिसोड में रितेश देशमुख बड़े बुरे मूड में नजर आते हैं और निक्की तम्बोली के बिहेवियर को लेकर निराशा जताते हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि वर्षा उसगांवकर और निक्की के बीच बड़ी लड़ाई घर में देखने को मिली थी। इस दौरान निक्की ने सीनियर एक्ट्रेस की खूब बेइज्जती की।

इस पर होस्ट ने उन्हें खूब फटकार लगाई और कहा कि निक्की के प्वॉइंट करेक्ट थे। लेकिन अपनी बात रखने का तरीका गलत था। वहीं रितेश ने उन्हें पूरे महाराष्ट्र से माफी मांगने के लिए कहा क्योंकि उन्होंने मराठी मानुष की मेंटलिटी पर सवाल उठाया था। इसके कारण निक्की इमोशनल हो गई और माफी मांगती हुई नजर आईं।

इसके अलावा रितेश देशमुख ने वर्षा उसगांवकर से भी बात की और मुद्दे को बबलगम की तरह खींचने के ऊपर फटकार लगाई। गौरतलब है कि बिग बॉस मराठी-5 28 जुलाई 2024 से शुरू हो गया है। शो में 16 सेलेब्रिटिज ने एंट्री की थी। वहीं जल्द पहला इविक्शन देखने को मिलेगा।

पूनम पांडे ने दिए किलर पोज, एक्ट्रेस की हॉटनेस ने यूजर्स को किया मदहोश

बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस पूनम पांडे सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर होते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं। वहीं, फैंस पूनम पांडे की हर कातिलाना अदा पर अपना दिल फिदा कर देते हैं।

बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री पूनम पांडे एक बार फिर अपने हॉट लुक से सुर्खियों में हैं। हाल ही में, पूनम पांडे को ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में देखा गया, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही थीं। एक्ट्रेस के इस अवतार ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और उनके फैंस उनके इस लुक को खूब पसंद कर रहे हैं। पूनम पांडे ने ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस के साथ लाइट मेकअप किया हुआ था। खुले बालों और कैजुअल मेकअप के साथ, एक्ट्रेस बेहद स्टाइलिश लग रही थीं। उन्होंने अलग-अलग पोज देते हुए कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स शेयर किए, जिनमें वे बेहद हॉट और ग्लैमरस लग रही हैं।

पूनम पांडे की इन तस्वीरों और वीडियो को देखकर उनके फैंस उनकी खूबसूरती के दीवाने हो गए हैं। फैंस लगातार उनकी तारीफ कर रहे हैं और उनकी तस्वीरों पर ढेर सारे लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं। पूनम पांडे की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है और लोग उनके इस लुक को खूब पसंद कर रहे हैं।

रियलिटी शो लॉकअप की कंटेस्टेंट रहीं पूनम पांडे अपनी बोल्ड अदाओं से फैंस के दिलों को धड़काना बखूबी जानती हैं।

पूनम पांडे सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें पोस्ट करती रहती है। जिन्हें देखकर फैंस आहें भरते हैं। सोशल मीडिया पर उनके अकाउंट को देखने पर आपको कई बिकिनी के हॉट पोज में पूनम पांडे नजर आ जाएंगी। पूनम के इंस्टा अकाउंट पर नजर डालें तो उनके अकाउंट को 623के फॉलोवर्स फॉलो करते हैं।

क्या ब्रश करते समय जीभ से भी खून आता है, आपका शरीर दे रहा है संकेत

क्या आपने कभी ब्रश करते समय अपनी जीभ से खून आते देखा है? अगर हां तो यह चिंता की बात है, यह किसी अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है। हमारी जीभ बहुत संवेदनशील होती है और कई कारणों से इससे खून आ सकता है, जैसे कि चोट लगना, पोषक तत्वों की कमी, या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं। आज हम जानेंगे कि ब्रश करते समय जीभ से खून क्यों आता है और इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं। साथ ही, हम आपको बताएंगे कि इसे कैसे रोका जा सकता है।

- **खरोंच:** हमारी जीभ छोटी-छोटी उँगलियों जैसी उभारों से ढकी होती है जिन्हें पैपीली कहते हैं। खाते या बोलते समय गलती से जीभ काटना या बहुत जोर से ब्रश करना खून निकलने का कारण बन सकता है। खाने की चीजें- अम्लीय खाद्य पदार्थ, जैसे अनानास, मुंह के पीएच संतुलन को बिगाड़ सकते हैं और जीभ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। मसालेदार भोजन भी जीभ की नाजुक परत को नुकसान पहुंचा सकता है।
- **मुंह के छाले:** मुंह के छाले छोटे, दर्दनाक घाव होते हैं, जो आपकी जीभ पर खून निकलने का कारण बन सकते हैं। यह छाले आमतौर पर बिना किसी इलाज के ठीक हो जाते हैं।
- **फंगल या यीस्ट संक्रमण:** ओरल थ्रश एक फंगल संक्रमण है, जो आपकी जीभ से खून बहने का कारण बनता है इसके लक्षणों में सफेद घाव, लालिमा, जलन और मुंह में रूई जैसा

अहसास शामिल हैं।

- **ओरल हर्पीज :** ओरल हर्पीज से तरल पदार्थ से भरे छाले बनते हैं, जो फटने पर खून निकाल सकते हैं। इसका इलाज एंटीवायरल दवाओं से किया जा सकता है।
- **पोषक तत्वों की कमी:** आयरन या विटामिन बी12 की कमी से भी आपकी जीभ से खून आता है। यह कमी आपकी जीभ को कमजोर और संवेदनशील बना सकती है।
- **जीभ में हेमांगीओमा :** यह एक नरम घाव है, जिसमें जीभ की रक्त वाहिकाएं असामान्य रूप से बढ़ जाती हैं। यह घाव किसी भी चोट से फट सकता है और खून बह सकता है।
- **जीभ का कैंसर:** हालांकि यह दुर्लभ है, लेकिन जीभ से खून आना कैंसर जैसी किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है। इसके अन्य लक्षणों में जीभ पर गांठ, लाल या सफेद धब्बे, और गले में दर्द शामिल हैं।

जीभ से खून आने का इलाज

- **घाव पर दबाव डालें:** कम से कम 15 मिनट तक साफ कपड़े या गॉज से दबाव बनाए रखें। इससे खून बहना बंद हो सकता है।
- **बर्फ का इस्तेमाल करें:** बर्फ का टुकड़ा कपड़े में लपेटकर जीभ पर लगाएं। ठंडा तापमान रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है और खून बहना बंद करता है।
- **हल्का भोजन करें:** मसालेदार और अम्लीय भोजन से बचें। इससे घाव को ठीक होने में मदद मिलेगी।
- **काली चाय की थैली:** काली चाय की थैली जिस जगह पर खून बह रहे हैं वहां रखने से खून बहना बंद हो सकता है क्योंकि इसमें टैनिन होता है, जो थक्का बनाने में मदद करता है।

खास खबर

श्रीरामलला दर्शन योजना : लॉटरी से 72 दर्शनार्थियों का चयन

कांकेर। श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अयोध्या धाम की यात्रा के लिए दर्शनार्थियों के चयन हेतु आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में चयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में श्री रामलला दर्शन योजना के क्रियान्वयन हेतु गठित जिला स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में जिले के नागरिकों से प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत लॉटरी के माध्यम से 72 दर्शनार्थियों का चयन किया गया। जिला पंचायत के सीईओ श्री सुमित अग्रवाल ने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत तीसरे चरण की यात्रा के लिए आज लॉटरी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों से 54 दर्शनार्थियों का चयन किया गया, वहीं नगरीय क्षेत्र से 18 दर्शनार्थियों का चयन किया गया। उक्त चयनित दर्शनार्थियों को जिला मुख्यालय से 22 अगस्त को अयोध्या धाम दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दर्शनार्थियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करने के साथ स्वास्थ्य विभाग को विकासखण्ड स्तर पर ही चयनित हितग्राहियों का चिकित्सा प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर समिति के सदस्य श्री बृजेश चौहान सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जाएंगे नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम

महासमुंद। भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा नशामुक्ति के पक्ष में सकारात्मक वातावरण विकसित करने तथा राष्ट्र को नशामुक्त बनाने के लिए नशामुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) का संचालन जिले में किया जा रहा है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नशामुक्त भारत अभियान के बैनर तले युवाओं, बच्चों, शैक्षणिक संस्थानों, महिलाओं और जन समुदाय की भागीदारी के साथ मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम करने, समय-समय पर मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित जागरूकता प्रचार-प्रसार कार्यक्रम, सेमीनार, रैलियां, नुक्कड़ नाटक, नशा बंदी प्रतियोगिताएं, सोशल मीडिया के द्वारा प्रचार अभियान, नशा बंदी शपथ आदि का संचालन किया जाना है। शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थाओं के 100 मीटर की सीमा में सिगरेट आदि मादक पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराने को कहा गया। जिसके लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति भी गठित की गई है। नशा मुक्ति अभियान को अपेक्षित गति प्रदान करने हेतु जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति के साथ ही इस अभियान में नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य किए जाने हेतु कुल 50 वालिंटियर्स को नियुक्त किए जायेंगे।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से खुलेगी रोजगार की राहें

गरियाबंद। युवाओं के लिए रोजगार स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में युवाओं को विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी के तहत युवाओं को जनरल ड्युटी असिस्टेंट नर्सिंग कोर्स का कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जनरल ड्यूटी सहायक नर्सिंग श्रेणी का पद है, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को मरीजों की दैनिक देखभाल, आराम, सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की चौकसी से संबंधित ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही रोगियों के लिए एक उपयुक्त वातावरण बनाए रखने एवं रोगियों को एक स्वस्थ और अच्छी तरह से संतुलित देखभाल करने की ट्रेनिंग दी जाती है। ट्रेनिंग पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को अस्पतालों में प्लेसमेंट के लिए भी आवश्यक सहयोग की जाती है। वर्तमान में लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद में 30 लोगों के बैच को जनरल ड्यूटी सहायक कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 45 दिन के आवासीय प्रशिक्षण में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण रूप से रोजगार एवं स्वरोजगार प्राप्त करने के गुर सिखाए जा रहे हैं। लाईवलीहुड कॉलेज में ट्रेनिंग लेने आई रूपेश्वरी साहू, त्रिलोक साहू, संतोषी साहू एवं अनुपूर्णा साहू ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत लाईवलीहुड कॉलेज में जनरल ड्यूटी सहायक कोर्स की ट्रेनिंग मिल रही है। इसमें नर्सिंग कोर्स के सहायक के रूप में विभिन्न प्रकार की जानकारी दी जा रही है। जिससे आगे चलकर नर्सिंग के कार्य में आसानी होगी।

बांग्लादेश में हालात बिगड़ने के बाद बीएसएफ का हाई अलर्ट जारी, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चौकसी बढ़ी

नईदिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और सेना के हेलीकॉप्टर में बैठकर देश छोड़ चुकी हैं। इस बीच भारत सतर्क हो गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट जारी करते हुए चौकसी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीएसएफ ने 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी सुरक्षा इकाईयों को सतर्क रहने को कहा है।

बीएसएफ के महानिदेशक (कार्यवाहक) दलजीत सिंह चौधरी और उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा की समीक्षा करने के लिए कोलकाता पहुंचे हैं।बता दें कि भारत और बांग्लादेश की सीमा एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। कई बार बांग्लादेश से घुसपैठियों के भारत में दाखिल होने की खबर सामने आ चुकी है।संभावना जताई जा रही है कि मौजूदा घटनाक्रम का फायदा उठाते हुए उपद्रवी और संभावित आतंकवादी भारत में प्रवेश कर सकते हैं।

बांग्लादेश में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास गणभवन में घुस चुके हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।प्रदर्शनकारियों से शांति की अपील करने के लिए बांग्लादेश के सेना अध्यक्ष ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया है। इलाकों में कर्फ्यू जारी है।बता दें कि हिंसा में अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैंकड़ों घायल हैं।

बांग्लादेश में अशांतिः एयर इंडिया ने ढाका से आने-जाने वाली उड़ानें कीं रद्द

एयर इंडिया ने सोमवार को बांग्लादेश में बढ़ती अशांति के बीच ढाका से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं। बांग्लादेश की नेता शेख हसीना के देश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने व गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस पर उतरने के बाद एयर इंडिया ने यह घोषणा की। एयर इंडिया ने एक्स पर पोस्ट किया, बांग्लादेश की स्थिति को देखते हुए, हमने ढाका से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

देश की प्रमुख एयरलाइन ने कहा, हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और ढाका से आने-जाने के लिए कन्फर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्हें यात्रा के पुनर्निर्धारण और टिकटों के रद्दीकरण शुल्क पर छूट दी गई है।

इससे पहले दिन में, भारतीय रेलवे ने भी बांग्लादेश के लिए ट्रेन संचालन को रोक दिया था। बढ़ती अशांति के बीच, बांग्लादेश की

राजधानी के पॉश इलाके धानमंडी में बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के घर में आग लगा दी गई।

रविवार को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने और 1,000 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है।

भारत के निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स टॉप 3 में पहुंचा, पीएम मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि युवा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारत की शक्ति है। पीएम मोदी की ओर से यह बयान ऐसे समय में दिया गया है, जब अप्रैल-जून तिमाही में भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात टॉप 10 में तीसरे स्थान पर रहा। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, पेट्रोलियम के बाद भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात तीसरे स्थान पर रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह भारत के लिए खुशी का क्षण है। इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत की शक्ति युवा है। यह प्रमाण है कि हमारे सुधारों के कारण मेक इन इंडिया को बूस्ट मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत आगे इस गति को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी एंड आईएंडबी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स अब भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात घटक है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में बड़ा हिस्सा एप्पल आईफोन निर्यात से आता है। भारत सरकार घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दे रही है। इसी कारण आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल द्वारा देश से किया जाने वाला निर्यात अप्रैल-जून में बढ़कर 3.8 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत सरकार घरेलू इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दे रही है। इसी का असर है कि आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल द्वारा देश से किया जाने वाला निर्यात अप्रैल-जून में बढ़कर 3.8 अरब डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 24 में भारत में एप्पल की बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गई है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि आईफोन की शिपमेंट में इस वर्ष 20 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। एप्पल एक काफी मजबूत ब्रांड है और देश में अपना वितरण नेटवर्क भी मजबूत कर रहा है, जिससे इसे और तेजी से बढ़ने में मदद मिलेगी।

लोगों की सेहत मोदी सरकार की प्राथमिकता, स्वास्थ्य बजट में 164 प्रतिशत की बढ़ोतरीः नड्डा

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने लोगों के स्वास्थ्य को मोदी सरकार की प्राथमिकता बताते हुए दावा किया है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना भारत में चलाई जा रही है और स्वास्थ्य बजट के आवंटन में भी 164 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ घोषणाएं ही नहीं करती, बल्कि उसे धरातल पर सफल बनाने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम करती है।

विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार सक्रिय और प्रतिक्रियाशील रही है। वर्ष 2013-14 में स्वास्थ्य का जो बजट 33,278 करोड़ रुपए था, आज उस बजट को बढ़ाकर 90,958 करोड़ रुपए कर दिया गया गया है। स्वास्थ्य बजट के इस आवंटन में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य के बजट में यह बढ़ोतरी लोगों

के स्वास्थ्य की देखभाल को प्राथमिकता देने और भारतीयों नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नड्डा ने कहा कि एनडीए की पहली सरकार (अटल बिहारी वाजपेयी सरकार) से पहले देश में एक एम्स था, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान 6 एम्स खोले गए। वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में 22 एम्स को मंजूरी दी गई, जिसमें से 18 ऑपरेशनल और 4 निर्माणाधीन हैं।

अपने जवाब के दौरान विपक्षी दलों के हंगामे पर सदन में पलटवार करते हुए नड्डा ने कहा कि राजनीति करनी है तो करिए और सच्चाई सुननी है तो सुनिए। उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर भी निशाना साधते हुए बीमारी से संबंधित आंकड़ों को केंद्र के साथ शेयर नहीं करने का आरोप लगाया। नड्डा ने सदन के माध्यम से देश को यह भी बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 12 करोड़ परिवार यानी 55 करोड़ से ज्यादा लोगों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई है। इसके साथ ही 1.73 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। दुनिया के देश भारत के आयुष्मान भारत योजना का अध्ययन कर रहे हैं। सरकार ने आयुष्मान भारत, मुफ्त दवाइयों एवं जांच सुविधाओं सहित स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य सुविधाओं पर जोर देकर आउट ऑफ पॉकेट खर्च को 62 प्रतिशत से कम कर 47.1 प्रतिशत पर पहुंचाया है। उन्होंने कोविड के संकट काल के दौरान मोदी सरकार द्वारा चलाए गए दुनिया के सबसे बड़े और सफल टीकाकरण अभियान का भी जिक्र करते हुए पिछली सरकारों की तुलना में मोदी सरकार द्वारा तेजी से कामकाज किए जाने का दावा किया।

आर्म रेसलिंग क्लब सुपर मैच सीज़न-03 में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील सिटी आर्म रेसलिंग क्लब सुपर मैच सीज़न-03 प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को राधे कृष्णा मंदिर नेहरू नगर भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ में रखा गया था जिसमें छत्तीसगढ़ से अलग अलग जिलों से कुल 100 खिलाड़ीयो ने भाग लिया और इस प्रतियोगिता में कुल 50 सुपर मैच थे। इस प्रतियोगिता के आयोजनकर्ता सन्नी बंसोड़ दुर्ग जिला पंजा कुश्ती संघ व छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्म रेसलिंग एसोसिशन के अंतर्गत मे सम्पन्न हुआ है।

प्रतियोगिता में जीतने वाले 50 खिलाड़ियों में मयंक ओझा (दुर्ग), आर्यन सोनी (बेमेतरा), ऋषभ संतोष (दुर्ग), सहज सिंग काला(बिलासपुर), मानव झंघेल (दुर्ग), युवराज साहू (दुर्ग), विकास सिंग राजपूत (रायगढ़), विवेक कुमार मेसेकर (दुर्ग), अंश वर्मा (दुर्ग), निलेश आचार्य (दुर्ग), कामरान सिद्दकी (दुर्ग), सिद्धार्थ सर्वा (रायपुर), साहिल खान (दुर्ग), आदित्य कुमार सिंग (दुर्ग), विनय सोनवानी (रायपुर), डोमेंद्र भारती (दुर्ग), गोपी साहू (बेमेतरा), हिमाशु शर्मा (दुर्ग), अंशदीप सिंग दुर्ग, गौतम नायडू रायपुर, आदिया सिंग बिलासपुर, इशू साहू दुर्ग, येगेंद्र राणा राजनांदगांव, कुंदन सिंग रायगढ़, अंश कुमार राजपूत दुर्ग, मनीष सिन्हा राजनांदगांव, के गुरुवर्धन दुर्ग, कुनाल मरकम रायपुर, अक्षत दिवेदी दुर्ग, नेतराम नेताम बालोद, भोलेश्वर मांझी गरियाबंद, एम शंकर दुर्ग, आकाश मिश्रा रायपुर, मेहकप्रीत सिंग रायपुर, अंश नंदूरकर दुर्ग, कृष्णा साहू रायपुर, एम जगन्नाथ रेड्डी रायपुर, रोहन सेन रायपुर, नेशवर कुमार राजनांदगांव, दीपक डडसेना रायगढ़, हिमांशु गुप्ता दुर्ग, कान्हा बंछोर रायपुर, रोशन नाग दुर्ग, मिलिंद रैना दुर्ग, सुमित तिवारी बेमेतरा, सिध्दार्थ नायर दुर्ग, सख्यम पात्रों बिलासपुर, स्नेहा सिंग (दुर्ग) व फातिमा (दुर्ग) शामिल हैं।

इन सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल और सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक सन्नी बंसोड़ व रेफ्री आदिल अंसारी, हर्ष कोडिआर, खुशी सिंग,आशीष बंसोड़, राम किशोर साहू थे। ऑफिशियल दीपेश कुमार, रुपाली फूले, स्नेहा सिंग थे। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने के लिए सेवक जन फाउंडेशन, आशीर्वाद ब्लड बैंक, प्रोटोजनिक पीनट बटर,अलाइव फिटनेस ,एचके ग्राफिक्स डिजाइन, कृष्णा साउंड भिलाई, एस.बी प्रोफेशन आर्म रेसलिंग इक्विपमेंट इनका सहयोग मुख्य रूप से रहा हैं।

इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ प्रदेश पंजा कुश्ती संघ के महासचिव श्रीकांत आशीर्वाद ब्लड बैंक के संस्थापक विकास जायसवाल जी व छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्म रेसलिंग एसोसिशन के टेक्निकलरस एडवाइजर मुख्य निर्णायक व टीम में के मुख्य कोच ऋषभ जैन जी व विशिष्ठ अतिथि में पूर्व सीएसपी वीरेंद्र सतपथी, अमिताभ भट्टचार्य, जीतेन्द्र हासवानी आदि उपस्थित रहे।

शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। नवपदस्थ कलेक्टर विनय कुमार लंगेह आज मीडिया प्रतिनिधियों से रुबरु हुए। उन्होंने महासमुंद जिले में विकास की प्राथमिकताओं और मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता में रहेगी। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार जिले में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और अन्य समस्याओं का समाधान मीडिया कर्मियों और जनता के सहयोग से किया जाएगा। कलेक्टर श्री लंगेह ने पत्रकार वार्ता में कहा कि मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाली सूचनाओं को गंभीरता से लेकर निराकरण के सार्थक प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन समय पर आम जनता किसी भी समय पर उनसे मिल सकते हैं।

श्री लंगेह ने कहा कि महासमुंद जिले में पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं है। विश्व प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल सिरपुर की विशेष पहचान है जिसके विकास के लिए और कार्य किया जाएगा। इसी तरह शिशुपाल पर्वत सहित अन्य पर्यटन स्थलों का स्थानीय संसाधन और विभागीय समन्वय के साथ विकास की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्राथमिकता के साथ कार्य किया जाएगा। आम जनता को शासन द्वारा दी जा रही सेवाओं की सुविधा मिले यह सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए भी कार्य किया जाएगा। शिक्षकों के बेहतर कार्य को प्रेरित किया जाएगा। इसी तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य के लिए योजना बनाकर कार्य किया जाएगा।

एक दिवसीय बाल अधिकार संरक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालोद। जिला शिक्षा अधिकारी बालोद एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय बाल अधिकार संरक्षण कार्यशाला का आयोजन आज जिला पंचायत बालोद के सभागार में किया गया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के प्रयोजन में आयोजित इस कार्यशाला में जिले के स्कूलों के संस्था प्रमुखों से आरटीई एक्ट 2009 के तहत विस्तृत चर्चा की गई। आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला पंचायत बालोद के सीईओ डॉ. संजय कन्नौजे ने शिक्षक की अध्यापन रणनीतियों, प्रतिफ्लों पर प्रकाश डाला।

खास खबर

कर्ज से परेशान शख्स ने घर पर लगाई फांसी, होटल में खाना बनाने का करता था काम

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में एक शख्स ने कर्ज से परेशान होकर खुदकुशी कर ली है। शख्स रविदास नगर में किराए पर रहता था और होटल में खाना बनाने का काम करता था। रविवार शाम को मकान मालिक से उसे फंदे पर लटकता देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम माधो दलाई (45) है। माधो मूलरूप से ओडिशा का रहने वाला था और पिछले कई सालों से भिलाई में रहकर होटल में खाना बनाने का काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि उस पर काफी कर्ज चढ़ गया और लेनदार उसे परेशान कर रहा था। कर्ज न चुका पाने के कारण मानसिक तनाव था। रविवार की दोपहर को वह घर गया और फांसी लगा ली। शाम को मकान मालिक ने देखा और डायल 112 को कॉल किया। पुलिस ने यह भी बताया कि माधो दलाई शराब का आदी था और इसी वजह से कई लोगों से उधार ले रखा था। फिलहाल सुपेला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब दुकान के मैनेजर का रास्ता रोककर जानलेवा हमला आरोपी फरार

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आकाशगंगा सुपेला स्थित शराब दुकान के मैनेजर का रास्ता रोककर देर रात्रि चाकू से प्राण घातक हमला किया गया। हमले के बाद तीनों ही अज्ञात आरोपी फरार हो गए।

सुपेला पुलिस ने बताया कि प्रार्थी कृष्णा नगर सुपेला निवासी उमेश कुमार वर्मा प्रीमियम शराब दुकान में मैनेजर के पद कार्यरत है। 4 अगस्त की रात 10 बजे दुकान बंद कर अंदर मे कैश मिलान करने के कारण देर हो गई। लगभग 1 बजे उमेश कुमार अपनी अपने घरजाने निकला। जैसे ही गणेश मार्केट सुपेला मोनू वस्त्रालय के सामने पहुंचा तीन अज्ञात युवक ने अचानक उमेश की गाडी के सामने आ गये। जिसके कारण उमेश को मजबूरन बाइक रोकना पड़ा। एक युवक ने गाडी की चाभी निकाल लिया। मना किया तो उसमे से दूसरे ने अश्लील गालियां देकर हाथ मे रखे चाकू से पेट मे वार किया तभी अपने बीच बचाव मे घूमा तो चाकू दांये जांघ मे पीछे तरफ लगा। युवक ने जान से मारने की नियत से चाकू मारा। उमेश द्वारा शोर मचाए जाने पर तीनो अपनी बाइक से भाग गए। घटना के संबंध मे अपने साथ काम करने वाले संतोष बहरा को फोन कर बताया जो घायल उमेश को लेकर शंकरा अस्पताल जुनवानी लेकर गया। इस मामले में सुपेला पुलिस धारा 109 बीएनएस अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुरी धाम घूमने गया परिवार, इधर घर पर हो गई सेंधमारी, जेवर व नगदी के साथ बर्तन ले गए चोर

छावनी थाना क्षेत्र का मामला, चोरों की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के छावनी थाना क्षेत्र में सूने मकान में सेंधमारी हो गई। परिवार के लोग पुरी धाम घूमने गए और इधर घर में चोरी हो गई। घटना 2-3 अगस्त दरमियानी रात की है। 3 अगस्त को पड़ोस की महिला ने घर का दरवाजा और सामान बिखरा हुआ देखा तो चोरी का शक हुआ। महिला ने फोनकर पुरी में परिवार को सूचना दी। सोमवार को परिवार के लोग पुरी से वापस लौटे और छावनी थाना पहुंच शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार संतोषी पारा कैंप-2 में चोरों ने संजय गुप्ता के सूने मकान को निशाना बनाया। 29 जुलाई को गुप्ता परिवार पुरी घूमने निकले। संजय गुप्ता का साढ़ू भाई भी गांव से आया और बाइक इनके घर पर खड़ी कर इनके साथ पुरी गया। 3 अगस्त की सुबह पुरी पहुंचे तो पड़ोस की महिला ने फोन कर बताया कि उनके घर पर चोरी हो गई है। अज्ञात चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़ा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चुंकि परिवार के लोग पुरी में थे और सोमवार की सुबह परिवार के लोग वापस लौटे और चोरी के सामान का आंकलन किया।

सोने-चांदी के जेवर, नगदी, बर्तन और बाइक चुरा ले गए चोर

परिवार के सदस्य सोमवार को लोटे तो देखा कि अलमारी खुली है और दीवान भी खुला है। अलमारी से सोने व चांदी के कुछ जेवर, नगदी रकम 30 हजार, दीवान से पीतल के बर्तन और बाहर खड़ी बाइक को चोर चुरा ले गए। यहां तक की घर पर रखा राशन कार्ड, एटीएम, गैस बुक, पेन कार्ड आदि भी चुरा ले गए। चोरों ने सामान निकालने के बाद कुछ खाली पर्स घर के बाहर फेंककर चले गए। यही नहीं अलमारी से कपड़े भी चुरा लिए लेकिन घर से कुछ दूरी फेंककर चले गए।

सीसी टीवी में दिखे दो संदिग्ध

घरवालों ने लौटने के बाद आसपास लगे सीसी टीवी कैमरों को चेक करवाया तो दो संदिग्ध दिखे। दोनों अंधेरे में लोहे का राड जैसा कुछ पकड़कर घर के आसपास देखे गए। घर वालों का कहना है कि चोरी में आसपास के बदमाशों का हाथ हो सकता है। जिस दिन घर से पुरी जाने निकले उसी रात को चोरी हुई। जरूर आसपास के किसी ने चोरों को सूने घर की जानकारी दी होगी। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने भी सीसी टीवी फुटेज खंगाला है और फुटेज लेकर गई है। फिलहाल इस मामले में छावनी पुलिस जांच कर रही है।

एनओसी और नक्शा देने मांगी रिश्वत, एसीबी ने सरपंच और सचिव को किया रंगे हाथों गिरफ्तार

रायपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 18 हजार रुपए की रिश्वत लेते सरपंच व सचिव को गिरफ्तार किया है। दोनों ने बैंक लोन हेतु पंचायत से एनओसी और नक्शा देने के लिए प्रार्थी से रिश्वत की मांग की थी। जिन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी लोकेश कुमार बघेल संतोषी नगर रायपुर का रहने वाला है। उसने एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर कार्यालय में शिकायत देते हुए बताया था कि ग्राम डोमा तहसील व जिला बिलासपुर में उसकी जमीन है। जिस पर आवास बनाने के लिए बैंक लोन हेतु पंचायत से एनओसी वी नक्शा की आवश्यकता थी। इसलिए प्रार्थी ने ग्राम पंचायत डोमा के सचिव धर्मेंद्र कुमार साहू से संपर्क किया तो पंचायत सचिव ने प्रार्थी को आवेदन व अन्य दस्तावेज कार्यालय में जमा करने कहा साथ ही 18 हजार रुपए रिश्वत कीमांग की।

प्रार्थी रिश्वत नहीं देना चाहता था इसलिए उसने एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर में इसकी शिकायत की। शिकायत के सत्यापन के पश्चात आज 5 अगस्त को ट्रैप आयोजित कर प्रार्थी को आरोपी पंचायत सचिव धर्मेंद्र कुमार साहू के पास उसके कार्यालय में भेजा। किंतु आरोपी धर्मेंद्र कुमार साहू ने स्वयं रिश्वत न लेते हुए अपने ही कक्ष में उपस्थित ग्राम डोमा के सरपंच देव सिंह बघेल को रिश्वती रकम 18 हजार रुपए देने को कहा। प्रार्थी ने रुपए सरपंच बघेल को दे दिए। इसके बाद एसीबी की टीम ने आरोपी धर्मेंद्र कुमार साहू पंचायत सचिव और सरपंच देव सिंह बघेल ग्राम पंचायत डोमा को 18 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया आरोपियों के विरुद्ध धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

12 साल बाद हरेली पर पति से मिलने पहुंची पत्नी, मामूली विवाद के बाद दरिंदे ने सिलबट्टे से मारकर ले ली जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में हत्या का खौफ्नाक मामला सामने आया है। हरेली के दिन रविवार को एक शख्स ने अपनी पत्नी की सिलबट्टे से मारकर हत्या कर दी। पत्नी अपने पति से अलग रहती थी और 12 साल बाद उससे मिलने पहुंची। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ और पति ने यह खौफ्नाक कांड कर दिया। वारदात के बाद आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मामला सीपत थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार यह खौफ्नाक घटना सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम

नरगोड़ा का है। यहां रहने वाले टीकाराम श्रीवास (50) खेती का काम करता है। 20 साल पहले उसकी शादी ग्राम गतौरा निवासी गिरजाबाई श्रीवास (45) से हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद होता था इसके कारण लगभग 12 साल पहले वह पति से अलग बिलासपुर में किराए का मकान लेकर बच्चों के साथ रहने लगी।

रविवार को हरेली त्योहार के दिन पूरे 12 साल बाद वह अपने पति से मिलने ग्राम नरगोड़ा पहुंची थी। दोपहर के समय दोनों के बीच पुरानी बातों को लेकर विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। गुस्साए पति ने पास में रखे सिलबट्टे से पत्नी से सिर पर वार कर दिया। इसके कारण उसके मुंह से चीख निकल गई और वह जमीन पर गिर पड़ी। महिला की चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग घर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पड़ोसियों ने देखा तो आरोपी पति को पकड़कर रखा। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बाइक सवार मां-बेटे को भारी वाहन ने मारी ठोकर अस्पताल में बेटे की मौत, मां की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। बाइक पर जा रहे मां-बेटे को अज्ञात वाहन ने जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल एम्स ले जाया गया जहां बेटे ने दम तोड़ दिया और मां की हालत नाजुक हैं। हादसे के बाद वाहन चालक फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

अमलेश्वर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम तर्रा

निवासी सुरेंद्र ठाकुर (25) अपनी मां जानकी ठाकुर (45) को लेकर अपने गांव जा रहा था। जामगांव एम-तर्रा मार्ग पर इनकी बाइक को पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मां बेटे दूर जा गिरे और बाइक भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक फरार हो गया वहीं मां-बेटे घायल अवस्था में पड़े रहे।

कुछ देर में ही आसपास के लोग जमा हो गए और डायल 112 को सूचना दी। अमलेश्वर थाने की डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती इलाज के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखकर उन्हें एम्स भिजवाया गया। एम्स में इलाज के दौरान सुरेंद्र ठाकुर (25) की मौत हो गई। वहीं उसकी मां जानकी ठाकुर की हालत नाजुक है। फिलहाल इस पूरे मामले की अमलेश्वर पुलिस जांच कर रही है।

कोरबा में हाथियों का उत्पातः आधी रात घरों में तोड़फोड़ फसलों को भी पहुंचाया नुकसान, दहशत में ग्रामीण

■ जिले के कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत पसान क्षेत्र में घूम रहे हाथी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में हाथियों का उत्पात देखने को मिला। जिले के कटघोरा वन मंडल में अंतर्गत पसान के पास एक गांव में दंतैल हाथियों ने धावा बोल दिया। इस दौरान हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। गांव में 7 घरों को तोड़ दिया और खेतों में जाकर फसलों को भी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। वहीं घटना की सूचना के बाद वन विभाग का अमला सतर्क हुआ और हाथियों जंगल की ओर खदेड़ा गया।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के कटघोरा वन मंडल में दो दंतैल हाथियों का आतंक देखने को मिला। इस घटना के बाद गांव में हड़कम मच गया। ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। दंतैल हाथियों ने एक के बाद एक साथ घरों को नुकसान पहुंचा। घर पर रखा अनाज खा गए। हाथी मकान क्षतिग्रस्त करने के बाद खेतों में पहुंचा जहां काफी फसलों को भी बर्बाद कर दिया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचे और किसी तरह हाथी को रेस्क्यू कर जंगल की ओर खदेड़ा।

वनविभाग ने गांव में आसपास मुनादी कराकर ग्रामीणों को जंगल में जाने से मना किया गया। बताया जा रहा है कि हाथियों ने इस दौरान कई एकड़ जमीन पर खड़ी फसल को नष्ट कर दिया।माना जा रहा है कि यह दोनों दंतैल हाथी झुंड से भटक गए और गांव में पहुंच गए। यही नहीं हाथी अभी भी गांव से दूर नहीं है। दो से ढाई किमी के दायरे में हाथी विचरण कर रहे हैं। वन विभाग लगातार हाथियों की मुवमेंट पर नजर रखे हुए हैं।

एसीबी और इओडब्ल्यू ने दो सटोरियों को किया गिरफ्तार

■ भिलाई में जिम बंदकर चलाने लगे थे महादेव सट्टा का पैनल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एसीबी और इओडब्ल्यू की टीम ने दुर्ग जिले में छापेमारी करके महादेव सट्टा एप का पैनल चलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम उन्हें लेकर रायपुर पहुंची है। उनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक टीम जल्द ही दुर्ग भिलाई में और भी ठिकानों पर छापेमारी कर सकती है।

महादेव सट्टा एप के मामले की जांच कर रही एंटी करप्शन ब्यू और इओडब्ल्यू की टीम प्रदेश भर में छापेमार कार्रवाई कर रही है। इसके लिए उनके द्वारा अलग अलग 16 टीमों का गठन किया गया है। सोमवार को दुर्ग जिले में

भी चार अलग अलग स्थानों पर एसीबी और इओडब्ल्यू की टीम ने छापामार कार्रवाई की। इसके लिए टीम ने दुर्ग क्राइम ब्रांच और स्थानी पुलिस का भी सहयोग लिया।

एसीबी और इओडब्ल्यू की टीम ने न्यू खुर्शीपार के बंगाली मोहल्ला निवासी विश्वजीत राय और अतुल के यहां सोमवार सुबह छापेमारी की और उन्हें उनके घर से ही दबोच लिया। इसके बाद टीम ने भिलाई में फरीदनगर स्थित मोहम्मद सद्दाम और के निवास पर भी रेड ही कार्रवाई की। लेकिन इस दौरान मोहम्मद सद्दाम के निवास पर ताला लगा हुआ पाया। मोहम्मद सद्दाम के निवास पर पहले भी ईडी की टीम ने कार्रवाई की थी। टीम को सद्दाम और एक कांग्रेस नेता के भाई की तलाश है।

जिम चलाता था विश्वजीत राय

न्यू खुर्सीपार से गिरफ्तार किया गया विश्वजीत रॉय जिम चलाने का काम करता था। पिछले कुछ महीनों से उसका जिम बंद पड़ा है। बताया जा रहा है कि यह काम बंद करके उसने महादेव सट्टा एप का पैनल चलवाना शुरू कर दिया था। इसी के सिलसिले में एसीबी ने विश्वजीत को हिरासत में लिया है। वहीं उसके साथी अतुल को भी हिरासत में लिया गया है। वह बी विश्वजीत के सात ही सट्टा पैनल चलाने का काम करता है। बताया जा रहा है कि विश्वजीत राय कुछ महीने पहले दुबई रहकर आया है। उसके बाद भिलाई आते ही उसके ठाठ बदल गए और महंगी गाड़ी और गोल्ड ज्वेलरी पहनकर घूमने लगा था।

दुबई रिटर्न लोगों पर निगरानी रख रही एसीबी

एसीबी और इओडब्ल्यू महादेव सट्टा एप मामले में एफआईआर दर्ज करने के बाद महादेव सट्टा एप के के संचालक और उसके जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने वाले सरगना सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और उससे संबंधित लोगों पर निगरानी रख रही है। एसीबी के निदेशक अमरेश मिश्रा के निर्देश पर उनकी टीम विशेष तौर पर उन लोगों पर निगरानी रख रही है जो दुबई में रहकर लौटे हैं और उनके बाद से उनके रहन सहन में बदलाव आया है।

पेट्रोल पंप संचालक से 6 लाख की लूटः बदमाश ने डंडे से हमला कर किया लहूलुहान

■ घर लौट रहा था पंप संचालक, करतला थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पेट्रोल पंप संचालक के साथ मारपीट कर लूट की वारदात हुई है। बदमाश व्यवसायी से 6 लाख रुपए लूट कर फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यापारी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घटना करतला थाना क्षेत्र की है।

सक्ति निवासी संतोष गोयल रामपुर स्थित पेट्रोल पंप के संचालक है, जो रोज की तरह सुबह पेट्रोल पंप आते हैं और शाम

होने से पहले ही अपने घर वापस लौट जाते हैं। सोमवार की सुबह भी संतोष गोयल पेट्रोल पंप पहुंचे और कामकाज खत्म कर के बाद बैग में 6 लाख लेकर अपने घर सक्ति के लिए रवाना हुए।

बैग लेकर भागा बदमाश

इस दौरान रामपुर से महज 2 किलोमीटर दूर अंधरीकोनी गांव मोड़ के पास कुछ अज्ञात लुटेरे ने लूट की घटना को अंजाम दिया। संतोष गोयल बाइक पर सवार थे। इस दौरान अचानक एक युवक आया और बाइक रुकवाई। बदमाश ने डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया और 6 लाख लूटकर गांव से लगे जंगल की ओर भाग गया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

खून से लथपथ संतोष गोयल को देख राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। करतला थाना प्रभारी आशीष कुमार ने बताया कि घटनाक्रम की जानकारी ली गई। एक युवक व्यापारी को रास्ते में रुकवाया और उसका बैग छीनकर भाग रहा था। दोनों के बीच हाथापाई हुई। इस दौरान लुटेरे ने डंडे से हमला कर दिया और बैग छीनकर भाग गया। फिलहाल, पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

वन अमले ने पकड़ी सागौन की लकड़ी पकड़ी

बीजापुर। बीजापुर जिले के अंतिम छोर पर बसे भोपालपटनम ब्लाक के तेलंगाना व छत्तीसगढ़ की सरहद पर तारलागुडा फॉरेस्ट चेकपोस्ट पर वन अमले ने सूचना के आधार पर एक टाटा सूमो व एक पिकअप में भरकर तेलंगाना ले जा रहे सागौन चिरान को पकड़ने में सफलता हासिल की है। वन अमले को देखकर तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग निकले। वन परिक्षेत्र अधिकारी विनोद तिवारी ने बताया कि उन्हें पुख्ता सूचना मिली थीं तस्कर दो गाड़ियों सूमो व पिकअप में सागौन के चिरान तेलंगाना पार करने वाले हैं। इसके बाद वन अमला सक्रिय हुआ और तारलागुडा चेकपोस्ट पर गाड़ियों की तलाशी ली गई। इसी बीच एक सूमो वाहन से 23 व एक पिकअप से 36 नग सागौन के चिरान बरामद किये गये। उन्होंने बताया कि तस्कर अमले को देख रात के अंधेरे का फायदा उठाकर गाड़ी छोड़कर भाग निकले। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने आगे बताया कि पकड़े गए सागौन की कीमत 2,50 लाख रुपये आंकी गई हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-10

Email id :ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं. 1596/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2024-25 दुर्ग, दिनांक 02/08/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	Development of garden, footpath with paver block open gym for elderly persons, steel chairs etc. S.T.No. 157133	20.07

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 02.08.2024 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 16.08.2024 तक है।

जी-242501617/3

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दुर्ग (छ.ग.)

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

आदिवासियों को मुख्यधारा से जोड़ने की भागीरथ पहल

हर साल 9 अगस्त को मनाया जाता है विश्व आदिवासी दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनजाति समुदायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था। यह दिन आदिवासियों को इनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने और उन्हें मुख्य धारा में लाकर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए चहुंमुखी प्रयास के लिए प्रण लेने का दिन है।

छत्तीसगढ़ में वन और सदियों से निवासरत आदिवासी राज्य की विशेष पहचान रहे हैं। प्रदेश के लगभग आधे भू-भाग में जंगल है, जहां मेला-महोत्सव के जरिए गौरवशाली आदिम संस्कृति फूलती-फलती रही है। उनकी कला, संस्कृति, लोक परंपरा, रीति-रिवाज, रहन-सहन तथा वेशभूषा से उन्हें देश-दुनिया में एक नई पहचान मिली है। जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत उनके दैनिक जीवन, तीज-त्यौहार, धार्मिक रीति-रिवाज एवं परंपराओं के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। बस्तर के जनजातियों की घोटुल प्रथा प्रसिद्ध है। जनजातियों के प्रमुख नृत्य गौर, कर्मा, ककसार, जशपुर और सरगुजा के शैला नृत्य सहित प्रदेश के सरहुल और परब जन-जन में लोकप्रिय हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं आदिवासी समाज से है। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने राज्य की आदिम संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। आदिवासी समुदाय को समाज की मुख्यधारा में लाने तथा अंतिम छोर के व्यक्ति योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से बस्तर संभाग के 5 जिले सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर में नियद नेल्लानार (आपका आदर्श ग्राम) योजना जैसी अभिनव योजना संचालित की जा रही है। इस योजना इन जिलों में स्थापित सुरक्षा कैम्पों के आसपास के पांच किलोमीटर की परिधि में संचालित हो रही है। ग्रामीणों को राज्य और केन्द्र शासन द्वारा संचालित 52 योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। ग्रामीणों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

जनजाति समुदायों सभी प्रकार की मूलभूत सुविधा और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन योजना का आदिवासी वनांचलों में बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना में 9 केन्द्रीय मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना में प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों (पीवीटीजी) बसाहट के आस-पास शिविर लगाकर हितग्राहियों का आधार कॉर्ड, राशन कॉर्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कॉर्ड, जाति-प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित किए जा रहे हैं। सभी हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र भी दिए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जनमन योजना में पक्के घर का प्रावधान, पक्की सड़क, नल से जल, समुदाय आधारित पेयजल, छात्रावासों का निर्माण, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषण-आहार, बहुउद्देशीय केन्द्रों का निर्माण, घरों का विद्युतीकरण (ग्रिड तथा सोलर पावर के माध्यम से), वनधन केन्द्रों की स्थापना, इंटरनेट तथा मोबाइल सर्विस की उपलब्धता और आजीविका संवर्द्धन हेतु कौशल विकास के कार्य किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए ''एक पेड़ मां के नाम'' के तहत् प्रदेश में व्यापक स्तर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में आदिवासी समुदाय को जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के प्रणेता गुंडाधुर जी की स्मृति में वनों की सुरक्षा की पहल शुरू की है। इसमें आदिवासी समाज के लोग स्व प्रेरणा से योगदान दे रहे हैं।

नई शिक्षा नीति से देश की तरक्की में बढ़ेगा युवाओं का योगदानः टंकराम वर्मा

विभिन्न महाविद्यालयों के दीक्षारंभ समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री

रायपुर। देश की तरक्की की राह में युवाओं का योगदान सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति का छत्तीसगढ़ में क्रियान्वयन हो रहा है। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा बलौदाबाजार जिले के विभिन्न कॉलेजों में आयोजित दीक्षारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति में नौकरी की जगह स्वरोजगार पर जोर दिया गया है, ताकि व्यक्ति आत्मनिर्भर होकर खुद को नौकरी के बजाय अन्य लोगों को नौकरी प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई के साथ-साथ देश की संस्कृति, सभ्यता को महत्व दिया गया है, जिससे छात्रों में गौरवशाली संस्कृति से

परिचित हो सके। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में नवीनतम तकनीकी ज्ञान का भी समावेश किया गया है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने नवीन शासकीय महाविद्यालय वटगन, शासकीय बृजलाल वर्मा महाविद्यालय पलारी एवं शासकीय दाऊ कल्याण आर्ट्स एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार के कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने नवप्रवेशी कॉलेज छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने होनहार एवं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने इस मौके पर वटगन कॉलेज के विभिन्न विकास कार्यों के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति की घोषणा की। इस राशि में 10 लाख रूपए के मुख्य सड़क मार्ग से कॉलेज तक पहुंचमार्ग और 10 लाख रूपए सायकल स्टैण्ड, आवश्यक फर्नीचर सहित बाउंड्री वॉल के लिए व्यय की जाएगी।

युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करेगी नई शिक्षा नीति : उद्योग मंत्री देवांगन

स्वयं की खोज की भावना से परिचित कराने के उद्देश्य से दीक्षारंभ समारोह का होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रममंत्री लखनलाल देवांगन कोरबा स्थित शासकीय इंजीनियर विश्वेश्वरैया स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा के दीक्षारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री श्री देवांगन ने वाणी की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सभी शासकीय, निजी कॉलेजों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को नए परिवेश में सहज महसूस कराने, उनमें संस्थान की विशिष्ट प्रकृति तथा संस्कृति को सिखाने, अन्य छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संबंध बनाने तथा उन्हें व्यापक उद्देश्य तथा स्वयं की खोज की भावना से परिचित कराने के उद्देश्य से दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

मिनीमाता व अग्रसेन महाविद्यालय में भी हुआ कार्यक्रम

कोरबा स्थिति शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय और श्री अग्रेसन कन्या महाविद्यालय में भी आयोजित दीक्षारंभ समारोह में मंत्री श्री देवांगन शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज से आप महाविद्यालय के छात्र हैं और ज्ञान के इस मंदिर का प्रयोग कर अपने भविष्य को चहुंमुखी विकास की ओर ले जा पाएंगे। नवीन शिक्षा नीति का उपयोग कर नई शिक्षा को जीवन मे उतारते हुए सम्पन्न और विकसित भारत की संकल्पना में अपना योगदान दे पाएंगे।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम में अलग-अलग विषयों से अवगत होंगे, निश्चित रूप से भविष्य में हमारी शिक्षा नीति विश्व स्तर पर नई पहचान बनायेगी। उन्होंने छात्राओं को निरंतर आगे बढ़ते रहने एवं आदर्श छात्र जीवन जीने की बात कही। नवीन शिक्षा नीति युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करने का साधन बनने जा रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि यह जिले का सबसे बड़ा महाविद्यालय है। आज नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए प्रवेश का प्रथम दिवस है। उन्होंने कहा की आप विद्यालय की पढ़ाई पूर्ण कर महाविद्यालय में प्रवेशित हो रहे हैं, जिस प्रकार एक पौधा रोपण होता है, उसके बाद वो पौधा बड़ा पेड़ बनता है और संपूर्ण प्रकृति को ठंडक प्रदान करता है। ठीक उसी प्रकार आज आपका भी पदार्पण हुआ है। महाविद्यालय में यहां से विद्यार्जन करके निकलेंगे तो राष्ट्र के लिए आप भी उपलब्धियां लेकर राष्ट्र का नाम रोशन करेंगे।

राजस्व मंत्री ने पीएम आवास के हितग्राही को कराया गृह प्रवेश

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा हरेली त्यौहार के पावन अवसर पर विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम सकरी में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के हितग्राही को नवनिर्मित आवास का फीता काटकर गृह प्रवेश कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सुंदर मकान बनाने पर गिरजाशंकर एवं उसके परिवार को शुभकामनाएं दी। उन्होंने नवनिर्मित मकान के आंगन में कटहल और अमरुद के पेड़ लगाए। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, पूर्व संसदीय सचिव डॉ सनम जांगड़े, कलेक्टर दीपक सोनी, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल उपस्थित थे।

राज मिस्त्री हितग्राही गिरजाशंकर ने बताया कि पहले कच्चा मकान था। पक्का मकान का सपना था, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। इसी बीच वर्ष 2020-21 में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत आवास स्वीकृत हुआ। पहली किश्त मिलने पर मकान बनाना शुरू किया। तीन किश्त में कुल एक लाख बीस हजार रुपए मिले। उन्होंने बताया कि कुछ अपना पैसा लगाकर घर को थोड़ा बड़ा बना लिया। गिरजाशंकर ने बताया कि उनकी पत्नी बुद्धेश्वरी वर्मा को महतारी वंदन योजना के तहत हर माह एक हजार रूपए मिल रहा है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का भी लाभ मिला है।

मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम सकरी के अमृत सरोवर में जय माँ अन्नपूर्णा स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मछली पालन की शुरुआत सरोवर में मछली बीज डालकर किया। उन्होंने मछली पालन को लाभ का व्यवसाय बताते हुए महिलाओं को बेहतर ढंग से मछली पालन करने कहा। महिलाओं ने बताया कि वे इस सरोवर में पहली बार मछली पालन करने जा रही है। मछली पालन विभाग द्वारा अभी 65-70 नग रोहु, कतला और मृगल मछली प्रतिकात्मक रूप से दिया गया है। कुछ दिन बाद विभाग द्वारा करीब 5000 मछली बीज़ (फिंगर लिंग) दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को राजनांदगांव के क्लब हाऊस सन सिटी में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उन्हें शाल-श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया तथा स्मृति चिन्ह के रूप में बेलमेटल की नंदी की मूर्ति भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पावन श्रावण मास चल रहा है, इस दौरान आपसे मुलाकात करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने पूजा-अर्चना की और पंडित प्रदीप मिश्रा से आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, राजनांदगांव के कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

ट्रांसजेंडर समुदाय ने सांस्कृतिक संध्या में दी मनमोहक प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के महंत घासीदास संग्रहालय के मुक्ताकाशी मंच में 'राज्यस्तरीय ट्रांसजेंडर सांस्कृतिक संध्या' सांझ-6 का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ इकलौता ऐसा राज्य है, जहां ट्रांसजेंडर समुदाय की सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य शासन द्वारा मंच प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति व पुरातत्व विभाग तथा छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया गया था। इस कायर्क्रम के मुख्य अतिथि विधायक पुरंदर मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग विवेक आचार्य उपस्थित थे। इसके साथ सहायक संचालक, संस्कृति व पुरात्तव विभाग तनुजा बघेल, विशेष अतिथि के रूप छत्तीसगढ़ किन्नर समाज की प्रमुख नगीना नायक, विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनीता चंसोरिया, सहायक प्राध्यापक दुर्गा महाविद्यालय तथा प्रीतम महानंद, सांसद प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम सांझ-6 में तृतीय लिंग समुदाय के कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां दी। दीप प्रज्वल के पश्चात पहली एकल प्रस्तुत मीरा यादव द्वारा ओडीसी नृत्य के माध्यम से किया गया। पहली सामूहिक प्रस्तुति प्रतिमा ग्रुप द्वारा राजस्थानी नृत्य से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद स्वरागिनी ग्रुप के कलाकारों ने भी राजस्थानी व छत्तीसगढ सुआ गीत, कर्मा गीत, ददरिया व होली के गीतों में अपनी प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने को मजबूर कर दिया। तीसरी प्रस्तुति के रुप में रायपुर के युवराज बाध एवम साथी द्वारा कत्थक में शिव वंदना की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ-साथ उन्होंने कत्थक तिहाई, परन और ठुमरी में अपने अंदाज से लोगों को दिल जीत लिया। उल्लेखनीय है कि युवराज बाध कत्थक नृत्य के क्षेत्र में गुररत्न अवार्ड, मधुपुरम अवार्ड, मधुपुरम सम्मान, गुरू बह्म अवार्ड तथा नृत्य माया अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं।

प्रतिमा डांस ग्रुप द्वारा समाज में व्याप्त दहेज की कुरितियों से संबंधित एक संगीतमय नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। इस नृत्य नाटिका के माध्यम से दहेज प्रथा के खिलाफ संदेश दिया गया, जो बहुत की आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। समुदाय के कई कलाकारों द्वारा एकल विधा में उपशास्त्रीय नृत्य में प्रस्तुति दी गई। पिथौरा महासमुंद की चुरकी मुरकी डांस ग्रुप के कलाकारों ने अपने अंदाजों से सभी ओडियंस का मन जीता। कार्यक्रम के दूसरे चरण में ट्रांसजेंडर युवाओं ने रैंप पर फैशन शो किया। ये सरोना स्थित गरिमा गृह के विद्यार्थी थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ी, इंडियन थीम तथा इन्द्रधनुषी थीम पर रैप पर माडलिंग किया।

फैशन शो और नृत्य के दौरान दर्शकों ने समुदाय के व्यक्तियों का उत्साहतवर्धन किया तथा कार्यक्रम में समुदाय के वरिष्ठ लोगों द्वारा सभी कलाकारों का श्रीफल, साल तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति के अध्यक्ष विद्या राजपूत ने कलाकारों, दर्शकों एवम संस्कृति एवम पुरातत्व विभाग, वॉक इन टॉक फूड कॉर्नर, अनंत प्रवाह कत्थक केन्द्र के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हो सका।

बस्तर खेल 2024 का जल्द होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ सरकार की मंशानुरूप खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विशेष रूप से बस्तर संभाग के ग्रामीण आदिवासी युवाओं को खेल के माध्यम से मुख्यधारा में जोड़ने के साथ ही खेलों के प्रति रुचि पैदा कर इस क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण तैयार करने हेतु वृहद स्तर पर बस्तर खेल 2024 आयोजित किया जाना है। उक्त आयोजन संबंधी दिशा-निर्देश शीघ्र जारी किये जाएंगे।

प्रभारी जिला खेल अधिकारी विरूपाक्ष पौराणिक ने बताया कि बस्तर खेल 2024 के अंतर्गत बैडमिंटन, बालीबॉल, तीरंदाजी,फुटबॉल, एथलेटिक्स, वेट लिफ्टिंग, हाकी, खो-खो, रस्साकशी खेल विधाओं का आयोजन विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर दो आयु वर्ग 14 से 17 वर्ष और 17 से 21 वर्ष आयु के पुरुष-महिला दोनों वर्ग में आयोजित किया जाएगा। उक्त आयोजन अक्टूबर-नवम्बर 2024 में प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि उक्त जानकारी 02 अगस्त 2024 को संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ श्रीमती तनुजा सलाम द्वारा जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में दी गई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रदेश सरकार द्वारा विशेष रूप से माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में अपनी महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत आदिवासी युवाओं को रचनात्मक दिशा देने हेतु नियद नेल्लानार योजना का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत चयनित 32 ग्राम में खेल मैदान का निर्माण मनरेगा योजना के तहत किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950